CNews सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-14, अंक-266
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, शनिवार 30 दिसंबर 2023

आज का विचार

सिर्फ सोच का ही फर्क होता है, वरना समस्याएं आपको कमजोर नही बल्कि मजबूत बनाने आती है।

पेज-4

कुख्यात भूमाफियाओ ने किया जघन्या अपराध गृहमंत्रालय व महू एसडीएम के संज्ञान मे लाया गया था पूरा प्रकरण

कुख्यात अपराधी मस्त पुलिस पस्त

अपराधिक सफरनामा

शादाब पिता रफीक खान

30, माणिक बाग, मेन रोड, इंदौर

क्र.	अपराध क्र.	वर्ष	धा.	थाना
1.	105	2002	5( ), 34	तुकोगंज
2.	205	2002	3( ), 323, 506, 34	छोटीग्वालटोली
3.	50	2004	294, 506, 34	अजाक थाना
4.	132	2004	307, 34	जूनी इंदौर
5.	548	2009	307, 147, 148 149, 341, 294	संयोगितागंज
6.	215	2010	188	भंवरकुआ
7.	175	2008	110, 141	जूनी इंदौर
8.	99	2006	110	जूनी इंदौर
9.	80	2010	110	जूनी इंदौर
10.	3	2010	जिलाबदर किया था	जूनी इंदौर

नोटः- उक्त बदमाश के खिलाफ जमीनों पर कब्जे करने, शासकीय कार्यों में बाधा डालने संबंधित कई शिकायतें दर्ज हुई। वर्ष 2010 में भी इस पर पलासिया क्षेत्र में नजूल की जमीन पर कब्जा करने के मामले में धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज हुआ था।

आनंद कसेरा

अनिल कुमार पंवार

अरुणा पाटनी

पार्वती जैन

पवन जैन

राहुल जैन

सिटी चीफ....इंदौर» इंदौर शहर अपराधीयों से मुक्त हो इन्हीं कारणों से कमिशनर प्रणाली लागू की गई इसके बाबजूद शहर मे बढ़ते अपराधों पर रोक लगाना मुश्किल हो रहा आये दिन चोरी नक़बाजनी हत्याये सड़को पर शराब पी कर /झगड़ा ये सभी आम बात हो गई पुलिस प्रशासन को इस विषय पर गंभीर होना आवश्यक है यदि कोई अपराध घटित हो इसकी जानकारी मिलने मे समय लगता है पर जिस अपराध की जानकारी सालो साल से पुलिस को हो वो केवल महेज शिकयती आवेदन ले कर इकट्ठा करने मे रूचि रखती हो तो पुलिस पर सवालियां निशान लगना पक्का है इसी तरह एक किसान के साथ छल कपट धोखे से ठगी की गई दिल्ली से ले कर प्रदेश सरकार किसानो को लेकर गंभीर है बहुत सारी योजनाओ को लाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पूर्व मुख्यमंत्री ने शिवराज सिंह चौहान ने किसानो के हित मे लाभ कारीयोजनाओं कि सुरवात कि थी और रात दिन अपने भाषणो मे किसान किसान किया करते थे लेकिन वहीँ शासन प्रशाशन किसानो के साथ हो रहे अत्याचारो अनदेखा कर रही है बल्कि भोले भाले किसान विजय पिता राम भरोसे तिवारी के साथ जघन्य अपराध हुआ इतिहास गवाहा है कि यह ऐसा घिनौना कांड हुआ जिसने इंदौर शहर को कलंकित करने का काम किया है दरसल सारा मामला कुख्यात अपराधी सादाब खान पिता करीम खान ने किसान विजय पिता राम भरोसे तिवारी कि कृषि भूमि सिमरोल तहसील ग्राम गौकन्या मैं स्थिति है जिसका सौदा कर अपने 8 सदस्यो के गैंग के साथ मिलकर धोखे और छल से SBI bank के बन्द पड़े खाते के चैक दे कर दस्तावेजो मे कूटरचित भाषा को लिखवाकर किसान विजय पिता राम भरोसे तिवारी से 8 विक्रय पत्रों का पंजीयन करवा लिये इन सभी के नाम इस प्रकार है सुमित प्रकाश पाटनी पिता मणिक चन्द पाटनी, अरुणा पाटनी पति सुमित प्रकाश पाटनी,अनिल कुमार पंवार पिता मोहन सिंह पंवार, राहुल जैन पिता राकेश जैन, आनंद कसेरा पिता लक्ष्मणदास कसेरा राकेश जैन पिता स्व.नवीन चन्द जैन,पार्वती जैन पति बक्षीराम जैन, पवन जैन पिता बक्षीराम जैन है तत्पश्चात उन विक्रय पत्रों पर लोन लेने की प्रक्रिया भी पूरी कर ली गई ना ही नामांतरण हुआ ना ही कब्ज़ा लिआ गाया ना ही सीमांकन हुआ ना ही बॉटकन बैंक के मैंनेजरो ने आँखों मैं पट्टी बन्द कर कर लोन दे दिया चूकि लोन तो चुकाना ही नहीं था जब कि कर्जदार तो जनता ही था मुफ्त की प्रॉपर्टी हो तो उसे जल्दी से कैसे बचाना डूब ही जाने दो चूकि बैंको ने भी बिना सोचे समझे कर्ज तो दे ही डाला था बैंक खुद ही जानती थी कर्ज की वसूली तो असंभव थी क्यूकि पहली किस्त से ही वसूली नहीं हुई तो अब उन सभी संपत्तियों कि नीलामी ही कर के पैसे वसूले सकते हैं तो बैंको ने जल्द से जल्द नीलामी कर दी फिर क्या था कुख्यात भूमाफिया शादाब खान गैंग ने ही ऐसा षड़यंत्र कर के ऐसा जाल बुना की फर्जी चैको को दे कर पहले ही धोखे से खरीदी प्रॉपर्टी भूमाफियाओ ने बैंक आ रहे दबाब के कारण 420 कर के दूसरे भूमाफियाँओ शहर अबैध कब्ज़ा करने लोगो को डरा धमका कर वसूली करने वाले को बैंक से खरीदवा दी ताकि वे किसान से कब्ज़ा ले सके और अब नामांतरण व कब्ज़े के लिये दलालो का एक घिरोहा सक्रिय है भूमाफिया किसान कि छाती पर रिवालवार और पिस्टल तान कर कब्ज़ा लेने पहुँच रहे है ये सभी महत्वपूर्ण जानकारी प्रशाशनानिक अधिकारी SDM व तहसीलदार को दी जा चूकि है पुलिस से तो क्या आशा हो अनगिनत शिकयतो के बाबजूद पुलिस कान मे तेल डाल कर सोई हुईं है इतने समय से जागने का नाम नहीं ले रही ।

मोदी ने किया अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन का उद्घाटन

6 अमृत भारत और 2 वंदे भारत को दिखाई हरी झंडी

नेशनल डेस्क। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को अयोध्या में रहेंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री अयोध्या को बड़ी सौगात दी है। यहां पीएम मोदी 8 किमी लंबा रोड शो कर रहे हैं। पीएम यहां महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन का इनॉगरेशन किया। प्रधानमंत्री मोदी ने 6 अमृत भारत और 2 वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। बता दें पीएम यहां महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय अयोध्या धाम एयरपोर्ट का भी उद्घाटन करेंगे। साथ ही आपको बता दें दोनों जगहों को रामकथा थीम पर सजाया गया है।

'केवल इतना बचा है कि भगवान राम उनके उम्मीदवार', भाजपा पर उद्धव शिवसेना का हमला

मुंबई। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के सांसद संजय राउत ने एक बार फिर भाजपा पर निशाना साधा है। उनका कहना है कि भगवान राम के नाम पर जमकर राजनीति की जा रही है। अब सिर्फ इतना ही बचा है कि भाजपा जल्द एलान करेगी कि अयोध्या या किसी अन्य जगह से भगवान राम उनके उम्मीदवार होंगे। राउत शनिवार को पत्रकारों से बात कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस को शून्य कहने वाली बात पर भी सफाई दी। शिवसेना सांसद ने कहा कि उन्होंने कभी कांग्रेस को जीरो नहीं कहा था। उनके बयान को गलत तरीके से पेश किया गया। उन्होंने कहा, 'मैंने यह कहा था कि कांग्रेस को जीरो से शुरुआत करनी होगी, यह कभी नहीं कहा कि कांग्रेस शून्य है। महाराष्ट्र में फिलहाल कांग्रेस का एक भी सांसद नहीं है। हमारे पास 18 सांसद थे, लेकिन कुछ चले गए और अब हमारे पास छह सांसद हैं। हमारा गठबंधन कांग्रेस के साथ है और महा विकास अघाड़ी करीब 40 सीटें जीतेगी।'शिवसेना एक सीट पर भी नहीं जीत सकती इस पर राउत ने कहा कि बयान आने दो। हमारे पास छह सांसद है और हमारी एक ताकत है। हम पुराना आंकड़ा जीत लेंगे। उन्होंने आगे कहा कि अगर रही बात नहीं जितने की, तो आप भी नहीं जीत पाओगे। आप मिलकर ही जीत पाओगे। आज के समय में कोई भी पार्टी नहीं है जो खुद के बलबुते पर जीत सके। भाजपा को जीतने के लिए ईवीएम की जरूरत है, वे भी अकेले नहीं जीत सकते। उनका गठबंधन ईवीएम के साथ है।

इंदौर, भोपाल ,जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन, होशंगाबाद, सतना, सागर, रीवा, कटनी, छिंदवाड़ा, छतरपुर, गुना, सीधी, उमरिया, छग, उप्र, महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, पंजाब एव नई दिल्ली से प्रसारित

सिंगल कॉलम

दो आरोपियों के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत प्रकरण किये पंजीबद्ध

कलेक्टर डॉ. इलैयाराजा टी के निर्देशानुसार इंदौर जिले में अवैध रूप से गैस का भण्डारण, अवैध गैस रिफिलिंग करने वालों के विरूद्ध लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी सिलसिले में आज खाद्य विभाग की टीम द्वारा दो स्थानों पर छापामार कार्यवाही की गई। पालाखेड़ी स्थित एक दुकान पर रमेश कुमार पिता रामनारायण गुप्ता द्वारा इण्डेन गैस कंपनी के 14.2 कि.ग्रा. क्षमता प्रवर्ग के घरेलू गैस सिलेंडर में से खाली गैस सिलेंडर में गैस अंतरण यंत्र (बंशी/नली) द्वारा गैस रिफिलिंग का कार्य किया जा रहा था, जिसे आज खाद्य विभाग के अधिकारियों द्वारा रंगे हाथों पकड़ा गया। मौके पर दो घरेलू सिलेंडर 14.2 किलो क्षमता, 01 छोटा सिलेंडर, 01 बंशी, 01 गैस अंतरण पाइप, 01 तोल कांटा रमेश से जप्त किये गए। इसी तरह एक अन्य खाद्य विभाग जांच दल द्वारा आज ही संविद नगर, कनाड़िया रोड में संजीवनी लाइट हाउस गैस चूल्हा रिपेयर पर कार्यवाही की गई, जिसमें उसके संचालक शादाब पिता उमर द्वारा गैस सिलेंडर रिफिल करने की सामग्री बंशी, पाइप, एक घरेलू गैस सिलिंडर, 2 छोटे गैस सिलेंडर अवैध संग्रहित कर रखे थे, जिसे मौके पर जांच दल द्वारा शादाब से जप्त किया गया हैं। गैस सिलिंडर का अनाधिकृत व्यापार, गैस अंतरण करने पर रमेश गुप्ता एवं शादाब के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3/7 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया।

आरडीएसएस के तहत खंडवा बना केपेसिटर बैंक वाला पहला जिला

जिले के 28 ग्रिडों पर लगाए अत्याधुनिक केपेसिटर बैंक

केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय की प्राथमिकता वाली योजना रिवेम्प्ड डिस्ट्रिब्यूशन सेक्टर स्कीम(आरडीएसएस) के तहत ग्रिडों पर केपेसिटर बैंक लगाने का कार्य पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने तेजी से किया हैं। मात्र छः माह में खंडवा जिले में 28 ग्रिडों पर केपेसिटर बैंक का कार्य पूर्ण किया गया हैं। यह कार्य करने वाला खंडवा जिला पश्चिम मप्र में पहला जिला हो गया हैं। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद?ुत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक श्री अमित तोमर ने बताया कि केपेसिटर बैंक के लिए मुख्य अभियंता (कार्य) श्री एसएल करवाड़िया और खंडवा के अधीक्षण यंत्री श्री एसके जैन को निर्देश देकर कार्य की साप्ताहिक समीक्षा का कार्यक्रम लागू किया गया था। दोनों ही अधिकारियों ने जिले के 33/11 केवी के ग्रिडों के चयन, एजेंसी, कार्य प्रारंभ, गुणवत्ता मूल्यांकन, टेस्टिंग आदि का कार्य समय पर कराया। इस तरह दिसंबर के अंतिम सप्ताह में खंडवा जिले के 28 बिजली ग्रिडों पर उच्च गुणवत्ता वाले केपेसिटर बैंक प्रारंभ हो गए हैं। श्री तोमर ने बताया कि केपेसिटर बैंक से विशेषकर कृषि बहुल क्षेत्र में किसानों के साथ ही बिजली वितरण कंपनी को फायदा मिलने लगा हैं। इससे रिएक्टिव लोड में कमी आने से पावर फैक्टर मापदंड के अनुसार दर्ज होता है, इससे ग्रिड, लाइन, ट्रांसफार्मर की सेहत लंबे समय तक ठीक होगी। परिणाम स्वरूप न केवल अंतिम छोर के किसान को सिंचाई के लिए उच्च गुणवत्ता के साथ बिजली मिलेगी, बल्कि खपत भी तय सीमा के दायरे में आएगी, किसानों का मोटर का मैंटेनेंस भी घटेगा। इसी के साथ लॉस घटने एवं वोल्टेज सुधरने से बिजली संसाधन ज्यादा गुणवत्ता के साथ लंबे समय कार्य करने में सक्षम रहेंगे।

इंदौर में बोले कैलाश विजयवर्गीय- अधिकारियों के भरोसे रहे तो योजना का बंटाढार हो जाता

भाजपा कार्यालय पर इंदौर जिले की सभी नौ विधानसभा सीटों पर जीते भाजपा प्रत्याशियों का हुआ अभिनंदन। विजयवर्गीय बोले- जो लोग पहले भाजपा को वोट नहीं देते थे, वो आज प्रधानमंत्री की गरीब कल्याण योजनाओं के कारण वोट दे रहे हैं। तुलसी सिलावट ने कहा- इंदौर की जनता ने कांग्रेस के मंसूबों पर पानी फेर दिया। हमने सेमीफाइनल जीत लिया, अब फाइनल में जीतना है। सांसद शंकर लालवानी ने कहा- इंदौर की प्रचंड जीत की चर्चा दिल्ली तक हो रही है। इसका श्रेय पार्टी के कार्यकर्ताओं को जाता है।

इंदौर। अधिकारियों के भरोसे रहे तो योजना का बंटाढार हो जाता। कार्यकर्ता मुझे बताते हैं कि अधिकारियों का रवैया बदल गया है। आजकल नमस्ते कर रहे हैं। चाय भी पिला रहे हैं। मैं मुख्यमंत्री को धन्यवाद देता हूं कि गुना की घटना में प्रथमदृष्टया जो दोषी थे, उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया। यह अच्छी शुरुआत है। सरकार ऐसे चलती है। हमें इस पर गर्व है।

यह बात कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने शुक्रवार को भाजपा कार्यालय पर जिले की सभी नौ विधानसभा सीटों पर भाजपा की जीत का परचम लहराने वाले विधायकों के अभिनंदन समारोह में कही। उन्होंने कहा कि पार्टी की जीत का श्रेय इंदौर की जनता को जाता है। जो लोग पहले भाजपा को वोट नहीं देते थे वे भी आज प्रधानमंत्री की गरीब कल्याण की योजनाओं के कारण पार्टी को वोट दे रहे हैं। इस जीत से सभी कार्यकर्ताओं के कंधे पर बड़ी जिम्मेदारी आ गई है। हमें ध्यान रखना है कि इंदौर में कोई भी गरीब ऐसा न रहे जिसे योजना का लाभ न मिले। हमें घर-घर जाकर योजनाओं का प्रचार प्रसार करना है। कार्यक्रम की शुरुआत में इंदौर में हुए रेल हादसे में मृत दोनों किशोरियों को श्रद्धांजलि भी दी गई।

सेमीफाइनल जीत लिया, अब फाइनल जीतना है

कार्यक्रम में सिलावट ने स्वागत नहीं करवाया। उन्होंने कहा कि उनकी विधानसभा में रेल हादसे में दो बच्चियों की असमय मौत हुई है। वे माला नहीं पहनेंगे। उन्होंने कहा कि इंदौर का प्रभाव प्रदेश सहित पूरे देश में पड़ता है। इंदौर की जनता ने कांग्रेस के मंसूबों पर पानी फेर दिया है

इंदौर में जांच के अभाव में दौड रहीं अनफिट बसें

इंदौर। गुना में हुए बस हादसे ने परिवहन विभाग की खामियों को उजागर किया है। जांच और निगरानी सिस्टम की कमी के कारण सड़कों पर बेलगाम बसे दौड़ रही हैं। सड़कों पर दौड़ रही खराब बसों की फिटनेस और परमिट जांचने के लिए विभाग के पास पुलिस जवान नहीं है।

इंदौर परिवहन विभाग में इंस्पेक्टर और सब इंस्पेक्टर के पद स्वीकृत है, लेकिन वर्तमान में सिर्फ एक सिपाही ही तैनात है। आरटीओ सहित दो एआरटीओ विभागीय कार्यो में ही उलझे रहते हैं। संभागीय उड़नदस्ते का हाल भी कुछ ऐसा ही है, यहां भी सिर्फ पांच लोगों की ही तैनाती है। इंदौर संभाग में हुए बस हादसों में कई बेकसूर लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। इसके बाद भी बसों के संचालन का पुराना ढर्रा कायम है। सड़कों पर यातायात नियमों को अनदेखा कर बसें दौड़ाई जा रही हैं। परिवहन विभाग का अमला हादसा होने के बाद कुछ दिन सड़क पर बसों की पड़ताल करता है, इसके बाद फिर पुरानी प्रक्रिया शुरू हो जाती है। निजी बस आपरेटर भी बसों का उचित रखरखाव नहीं रख पा रहे। इसलिए वह सड़कों पर मौत बनकर दौड़ रही है। संभागीय उडनदस्ते के जिम्मे जिले में संचालित हो रही एक हजार बसों की जांच का दायित्व है। इसमें ट्रांसपोर्ट सब इंस्पेक्ट (टीएसआई) जितेंद्र गुर्जर और दो सब इंस्पेक्टर, एक हेड कास्टेबल और दो सिपाही हैं। दो वाहनों से शहर से गुजरने वाले दस से अधिक रूटों पर जांच का दायित्व इनके पास है। जांच से पहले मिल जाती है सूचना इंदौर में परिवहन विभाग की जांच शुरू होने से पहले बस आपरेटरों को इसकी सूचना पहुंच जाती है। इसके बाद बिना फिटनेस और परिमट की बसे वहां से नहीं गुजरती। विभाग दो दिन से अलग-अलग रूट पर जांच कर रहा है, लेकिन एक भी बस बिना परमिट के संचालित होते नहीं मिली। कम जुर्माने के फिटनेस से दूरी बिना परमिट और फिटनेस के लोकपरिवहन वाहन पाए जाने पर जुर्माने का प्रावधान बहुत कम है। फिटनेस नहीं होने पर पांच हजार और परमिट नहीं मिलने पर दस हजार जुर्माना है, इसमें चार गुना पेनल्टी लगाई जाती है।

नए साल में मध्य प्रदेश में प्री-पेड होगा बिजली सिस्टम, इंदौर से होगी शुरुआत

इंदौर।

मोबाइल सेवा की तरह मध्य प्रदेश में अब बिजली का भी प्री-पेड सिस्टम नजर आएगा। नए साल में इसकी शुरुआत इंदौर से होने जा रही है। फरवरी-मार्च से इंदौर के विद्युत उपभोक्ताओं को प्रीपेड भुगतान करने की सुविधा मिलने लगेगी। मध्य प्रदेश विद्युत नियामक आयोग ने प्री-पेड सिस्टम और टैरिफ प्लान को मंजूरी दे दी है। इसके साथ सभी वितरण कंपनियों द्वारा इसे लागू करने का रास्ता खुल गया है।पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इसे अमल करने की तैयारी में जुट गई है। इंदौर में सबसे ज्यादा स्मार्ट मीटर लग चुके हैं, लिहाजा इस प्रोजेक्ट की शुरुआत यहीं से होगी। इस नई व्यवस्था में उपभोक्ता को प्रति यूनिट 25 पैसे का लाभ मिलेगा। उपभोक्ताओं के लिए यह सुविधा वैकल्पिक रहेगी। प्री-पेड बिजली सिस्टम को टैरिफ प्लान में शामिल करने के लिए विद्युत वितरण कंपनियों ने विद्युत नियामक आयोग के सामने याचिका प्रस्तुत की थी। नियामक आयोग ने सिस्टम लागू करने के दिशा-निर्देश बिजली कंपनियों को भेज दिए हैं। पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के अनुसार प्री-पेड बिजली सिस्टम स्मार्ट मीटर से लैस उपभोक्ताओं के लिए रहेगा। हालांकि यह वैकल्पिक होगा। यानी इसे अपनाने या पुरानी व्यवस्था में बने रहना उपभोक्ता की इच्छा पर निर्भर होगा। कंपनी के अनुसार जो उपभोक्ता इस विकल्प को चुनेंगे वे आवेदन देकर इसे शुरू करवा सकेंगे।

इंदौर एयरपोर्ट पर ई-वीजा होगा मान्य

नए साल में मिलेगी डिजी यात्रा की सुविधा

सिटी चीफ इंदौर।

देवी अहिल्याबाई होलकर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर ई-वीजा की स्वीकृति मिल गई है। अब अंतरराष्ट्रीय उड़ानों से इंदौर आने वाले यात्रियों को ई-वीजा होने पर उतरने की अनुमति मिलेगी। यात्रियों के लिए फिजिकली कापी की जरूरत नहीं. होगी।

इससे पहले इंदौर एयरपोर्ट पर वीजा की फिजिकल कापी होना अनिवार्य था।

नए साल से एयरपोर्ट पर डिजी यात्रा की सुविधा भी शुरू हो जाएगी। इसकी प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

सुविधा देने के लिए लिखा था पत्र विदेश मंत्रालय को ई-वीजा की सुविधा इंदौर एयरपोर्ट पर शुरू करने के लिए पत्र लिखा था।

शुक्रवार से ई-वीजा की स्वीकृति मिल गई है।

अब इंदौर एयरपोर्ट पर ई-वीजा मान्य होगा।

इसके अतिरिक्त इंदौर एयरपोर्ट पर डिजी यात्रा की सुविधा भी नए साल से शुरू की जाएगी। इसकी अनुमति भी मिल चुकी है और प्रक्रिया की जा रही है।

नए ट्रैक से पहले गुजरेगी मालगाड़ी यात्री ट्रेनों की शुरू में कम रहेगी स्पीड

सिटी चीफ इंदौर।

लक्ष्मीबाई नगर से बरलई के बीच में नए रेलवे ट्रैक का काम पूरा हो गया है। अब इस पर ट्रेनों का संचालन शुरू होगा। शुरुआत में नए ट्रैक से मालगाड़ी को गुजारा जाएगा। इसके बाद यात्री ट्रेनों का संचालन शुरू किया जाएगा। हालांकि आरंभ में यात्री ट्रेनों की स्पीड कम रखी जाएगी। बाद में स्पीड 120 किमी प्रति घंटा तक बढ़ा भी सकेंगे। अभी इस रूट पर 60 से 80 किमी प्रति घंटा की स्पीड से ट्रेन चलती है। बरलई-मांगलिया-लक्ष्मीबाई नगर रेल खंड में दोहरीकरण कार्य का गुरुवार को रेलवे संरक्षा आयुक्त (सीआरएस) पश्चिम परिमंडल आरके शर्मा ने ट्राली में घूमकर सुबह 9 से रात 9 बजे तक निरीक्षण किया। इस दौरान पटरियों के जोड़, सिंगलिंग, इलेक्ट्रिशियन सहित प्रत्येक कार्य की रिपोर्ट तैयार की गई। वहीं गति परीक्षण 20 मिनट में सीआरएस स्पेशल ट्रेन से पूरा हो गया। ट्रेन ने लक्ष्मीबाई नगर रेलवे स्टेशन से बरलई के बीच 27 किमी की दूरी करीब 13 मिनट में पूरी की। अब सीआरएस की रिपोर्ट के बाद इस ट्रैक पर ट्रेनों का संचालन शुरू होगा।70 ट्रेनों का संचालन होगा आसान इंदौर-देवास-उज्जैन रेल खंड का दोहरीकरण कार्य पूरा होने से इंदौर आने जाने वाली 70 ट्रेनों का समय बचेगा। अब करीब आधा घंटा पहले ट्रेनें पहुंचेंगी। पहले सिंगल लाइन होने के कारण कई ट्रेनों को रोककर दूसरी ट्रेनों को रास्ता देना पड़ता था। अब बिना रुके ट्रेन गुजर सकेंगी। ट्रेनों का संचालन भी बढ़ा सकेंगे। तीन चरण में पूरा हुआ काम इंदौर-देवास-उज्जैन रेल खंड के दोहरीकरण का कार्य तीन चरणों में पूरा हुआ। पहले चरण में उज्जैन से कडछा तक 10 किलोमीटर में दोहरीकरण कार्य किया गया। इसके बाद कडछा से बरलई तक 32 किलोमीटर में दोहरीकरण का कार्य इसी वर्ष फरवरी में पूरा हुआ। फरवरी से दिसंबर के बीच में बरलई से लक्ष्मीबाई नगर स्टेशन के बीच 27 किलोमीटर में दोहरीकरण का काम पूरा किया गया।

कलेक्टर डॉ. इलैयाराजा टी ने सीएसआर गतिविधि के माध्यम से दिव्यांगजनों को सशक्त बनाने का किया आवाहन

गत दिवस महेश दृष्टिहीन कल्याण संघ में कलेक्टर डॉ. इलैयाराजा टी के मुख्य आतिथ्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यकम में अवंतिका गैस एजेन्सी द्वारा 25 लाख रूपये का चेक थिंकर बेल लैब्स बैंगलोर के सीईओ श्री अमन श्रीवास्तव को कलेक्टर डॉ. इलैयाराजा टी की उपस्थिति में सौंपा गया है। 25 लाख रूपये फिनिक्स माल द्वारा थिंकरबेल लैब्स को पूर्व में दिए जा चुके है। संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण द्वारा बताया गया कि जिले में दृष्टि दिव्यांग बच्चों के लिए एनी स्मार्ट क्लास क्रमशः महेश दृष्टिहीन कल्याण संघ, हेलन केलर शिक्षा अकादमी और मूक बधिर एवं अंधशाला इंदौर में प्रतिस्थापित की गई है। थिंकरबेल लैब्स बैंगलोर के द्वारा उक्त प्रोजेक्ट को क्रियान्वित किया जा रहा है। प्रोजेक्ट की कुल लागत 50 लाख रूपये है। इस अवसर पर कलेक्टर डॉ. इलैयाराजा टी ने अपने उद्बोधन में अवंतिका गैस एजेंसी एवं फिनिक्स माल द्वारा दिव्यांग बच्चों के लिए की गई वित्तीय सहायता की सराहना की। उनके द्वारा आम कम्पनियों से भी गुजारिश की गई कि वह भी सीएसआर गतिविधि में दिव्यांगजनों को समाज की मुख्य धारा से जोडने के लिए आगे आएं। अवंतिका गैस एजेंसी के प्रबंध संचालक श्री अनुपम मुखोपाध्याय, वाणिज्यक निर्देशक श्री राजेश कुमार जैन, संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय विभाग के श्री शैलेन्द्र सोलंकी, श्री पवन चौहान तथा श्री नितिन्द्र बडज्यात्या, श्री अरूण यादव इस अवसर पर उपस्थित रहे।

वर्ष 2024 में आयोजित होंगी चार राष्ट्रीय लोक अदालतें, पहली 11 फरवरी को

सिटी चीफ इंदौर।

वर्ष 2023 की तरह वर्ष 2024 में भी चार राष्ट्रीय लोक अदालतें आयोजित की जाएंगी। पहली 11 फरवरी और वर्ष की अंतिम राष्ट्रीय लोक अदालत नौ दिसंबर को होगी।

इंदौर में प्रत्येक राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से 40 हजार से ज्यादा प्रकरण का समाधान करने का लक्ष्य रखा गया है।राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के अनुसार वर्ष 2024 में 11 फरवरी के अलावा, 21 मई, नौ सितंबर और नौ दिसंबर को राष्ट्रीय लोक अदालतें आयोजित की जानी हैं। सभी जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों से कहा गया है कि वे राष्ट्रीय लोक अदालतों की तैयारियां आयोजन से एक माह पहले ही शुरू कर दें। राष्ट्रीय लोक अदालतों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई सुविधाएं भी दी जाती हैं। उपभोक्ताओं को देते हैं विशेष छूट राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से किसी प्रकरण का निराकरण होने की स्थिति में न्याय शुल्क लौटाने का प्रविधान भी है।

इससे पक्षकारों का न सिर्फ समय की बचत होती है, बल्कि उन्हें आर्थिक सहायता भी मिल जाती है। बिजली कंपनी, नगर निगम, टेलीफोन कंपनियां इत्यादि भी लोक अदालतों को बढ़ावा देने के लिए

उपभोक्ताओं के लिए विशेष छूट का प्रविधान करते हैं। नगर निगम तो बकाया करो में अधिभार पर शत प्रतिशत तक छूट भी देता है।

पहले एक ही लोक अदालत होती थी

कुछ वर्ष पहले तक वर्ष में एक ही राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित की जाती थी। बाद में यह संख्या बढ़ाकर पांच कर दी गई। इस पर वकीलों ने राष्ट्रीय लोक अदालत की संख्या सीमित करने की मांग उठाई थी। उनका कहना था कि एक वर्ष में चार से ज्यादा राष्ट्रीय लोक अदालतें आयोजित करने से न्यायालय का नियमित कामकाज प्रभावित होता है। इसके बाद ये संख्या चार कर दी गई।

मध्य प्रदेश में जीती लोकसभा सीटों पर 10 प्रतिशत वोट शेयर बढ़ाने जुटेगी भाजपा

सिटी चीफ भोपाल।
मध्य प्रदेश में 2019 के लोकसभा चुनाव में जिन विधानसभा क्षेत्रों में कम वोट हासिल हुए थे, वहां बढ़त बनाना भाजपा का पहला लक्ष्य है। इन क्षेत्रों में पार्टी विधानसभावार प्रभारी बनाएगी और गांव तक पार्टी के बेहतर काम को पहुंचाएगी। इसी क्रम में लोकसभा चुनाव में जिन विधानसभा क्षेत्रों में पार्टी को जीत मिली, वहां विधानसभावार 10 प्रतिशत वोट शेयर बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा। पार्टी ने हारे हुए प्रत्याशियों और मोर्चा पदाधिकारियों के अलावा अब विस्तारकों की जिम्मेदारी भी तय कर दी है। संघ के विस्तारकों को अलग-अलग स्तर पर लोकसभा चुनाव की दृष्टि से प्रभार दिए जाएंगे। वे पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर गांव तक 24 घंटे का प्रवास करेंगे।विधानसभा चुनाव की तरह लोकसभा चुनाव में भी बूथ सशक्तीकरण पर फोकस रहेगा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा का कहना है कि हार और जीत वाली दोनों ही सीटों की समीक्षा की जाएगी। हारने वाले प्रत्याशियों को विस्तारकों के साथ जुटाया जाएगा। शक्ति केंद्र, बूथ प्रभारी और पन्ना प्रमुखों के साथ बैठक कर लोकसभा चुनाव की कार्ययोजना तय की जाएगी। हारे हुए प्रत्याशी हार के कारणों का मंथन कर विधानसभा चुनाव में की गई गलतियों को सुधार कर शीर्ष नेतृत्व की रणनीति पर काम करेंगे। ताजा विधानसभा चुनाव परिणामों को देखा जाए तो प्रदेश की 10 लोकसभा सीटें ऐसी हैं, जहां भाजपा को हार का सामना करना पड़ा है। इनमें छिंदवाड़ा लोकसभा क्षेत्र की सभी सातों विधानसभा सीटें कांग्रेस ने जीती हैं। इसी तरह मुरैना की पांच, भिंड की चार, ग्वालियर की चार, टीकमगढ़ की तीन, मंडला की पांच, बालाघाट की चार, रतलाम की चार, धार की पांच और खरगोन लोकसभा क्षेत्र की आठ विधानसभा सीटों में से पांच पर भाजपा को हार का सामना करना पड़ा है। भाजपा अब इन विधानसभा सीटों को लेकर मंथन कर रही है और लोकसभा चुनाव की दृष्टि से इन सीटों पर मजबूत पकड़ बनाने में जुट गई है। हालांकि, पांच लोकसभा क्षेत्र भाजपा के लिए सुरक्षित हैं। यहां जनता ने सभी सीटों पर भाजपा को चुना हैं। इनमें खजुराहो, होशंगाबाद, देवास, इंदौर और खंडवा लोकसभा क्षेत्र की सभी विधानसभा सीटें भाजपा ने जीती हैं। इनके अलावा सागर, दमोह, रीवा, सीधी, जबलपुर, विदिशा और मंदसौर लोकसभा क्षेत्र में केवल एक-एक विधानसभा सीट ही भाजपा हारी हैं, शेष सभी सीटों पर भाजपा को विजय मिली है।

बम की आशंका में मिसरोद स्टेशन पर रोकी गई नर्मदा एक्सप्रेस

देर रात तक होती रही जांच

सिटी चीफ भोपाल।
शुक्रवार उज्जैन से बिलासपुर जाने वाली नर्मदा एक्सप्रेस को बम की सूचना के बाद मिसरोद में रोक दिया गया। अधिकारी पूरे मामले में पुष्टि नहीं की। लेकिन रात के 10.30 से 1.15 तक लगातार सर्च अभियान चलाया गया। डॉग स्कॉड की मदद से भी हर कोच की जांच की जा रही है। इधर ट्रेन में यात्रा कर रहे राजा पटेल ने बताया की काफी देर से ट्रेन रुकी हुई है। लेकिन कोई सही कारण नहीं बता रहा है। सभी लोग परेशान हैं।लोगो को समान जांचने की कह रहे यात्रियों से उनके आस पास के समान की जांच की करने लिए आरपीएफ के जवान कह रहे हैं। अनजान समान को चिन्हित कर आरपीएफ को जानकारी देने को कहा जा रहा है। वही यात्री डरे हुए है।

कलियासोत के कैचमेंट में कार्रवाई रोकने विधायक शर्मा ने लिखा पत्र

सिटी चीफ भोपाल।
एनजीटी ने 31 दिसंबर तक कलियासोत के कैचमेंट किए गए अतिक्रमण की रिपोर्ट मंगाई है। इसके बाद इनके खिलाफ कार्रवाई होना है। इससे पहले स्थानीय विधायक रामेश्वर शर्मा ने कार्रवाई रोकने के लिए कलेक्टर आशीष सिंह और नगर निगम आयुक्त फ्रैंक नोबल ए. को पत्र लिखा है। इसमें कहा है कि अभिव्यक्ति कालोनी (पत्रकार कालोनी), सागर प्रीमियम टावर, अल्टीमेट कैम्पस, भूमिका रेसीडेंसी, सिग्नेचर, सर्वधर्म, मंदाकिनी कालोनी सहित एक दर्जन से अधिक रहवासी क्षेत्र कलियासोत के कैचमेंट में आ रहे हैं। इनकी 95 प्रतिशत जनसंख्या शासकीय सेवा से रिटायर्ड तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों मध्यम एवं निम्न मध्यम वर्गीय नागरिकों की है। इन नागरिकों ने जीवन भर की पूंजी जोड़कर कोलार के इन क्षेत्रों में अपना आशीयाना बनाया है। परंतु अनेक वर्षों से रह-रहकर एनजीटी के निर्देशों पर इनके आशियाने टूटने का खतरा मंडराता रहता है। इसको लेकर कलेक्टर और निगमायुक्त को अपना पक्ष रखना है। ऐसे में वो मानवीय आधार पर एनजीटी को बताएं कि इससे मानव अधिकारों का हनन होगा। यह कार्रवाई उचित नहीं होगी।न्यू मार्केट से निगम ने हटाया अतिक्रमण भोपाल। न्यू मार्केट में शुक्रवार को अतिक्रमण हटाने के साथ ही नो पार्किंग में खड़े वाहनों पर स्पाट फाइन करने के साथ ही वाहन जब्त भी किए गए। इससे पहले नगर निगम और ट्रैफिक पुलिस ने गुरुवार को कार्रवाई की थी। दोपहर करीब 11 बजे नगर निगम और ट्रैफिक पुलिस की टीम न्यू मार्केट पहुंची। टीम को देखते ही मार्केट में हड़कंप मच गया। ठेले वाले यहां-वहां भागने लगे। निगम अमले ने ठेलों वालों का चालान किया। जबकि ट्रैफिक पुलिस ने नो पार्किंग में खड़े वाहनों का चालान काटा। इस दौरान कई वाहन चालकों से स्पाट फाइन वसूल किया गया, जबकि कई वाहनों जब्त किए गए।

राजधानी में एक जनवरी को सभी बड़े मंदिरों में दर्शन को लेकर होगी विशेष व्यवस्थाएं

सिटी चीफ भोपाल।
नए वर्ष में शहर के लोग मंदिरों में भगवान के दर्शन कर सालभर अच्छा जाने की कामना करेंगे। इसके लिए शहर में सभी प्रमुख मंदिरों में तैयारियां शुरू हो गई हैं। कई मंदिरों में 31 दिसंबर की रात विशेष पूजा होगी, तो अधिकांश में 1 जनवरी को दिनभर कार्यक्रम होंगे। इसके लिए मंदिरों में विशेष साज-सज्जा, विद्युत सजावट के साथ ही फूल बंगला आदि सजाने की तैयारियां की जा रही हैं। साथ ही भंडारा प्रसादी आदि का आयोजन भी किया जा रहा है। -महालक्ष्मी मंदिर में फूड जोन बनेगा नेहरू नगर स्थित महालक्ष्मी मंदिर करुणाधाम आश्रम में नए साल पर विशेष व्यवस्था की जा रही है। मंदिर के शाश्वत शांडिल्य ने बताया कि मंदिर परिसर में दो सेल्फी प्वाइंट बनाए जाएंगे। फूड जोन भी होगा। 40 से अधिक युवा आश्रम के परिधानों में रहेंगे और व्यवस्था की जिम्मेदारी संभालेंगे। मंदिर के पट दिनभर खुले रहेंगे लालघाटी गुफा मंदिर में नए साल में सुबह से रात्रि तक दर्शनार्थियों की भीड़ रहेगी। मंदिर के पं. लेखराज शर्मा ने बताया कि दर्शनार्थियों की सुविधा के लिए मंदिर के 150 सेवादार अलग-अलग तीन चरणों में व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी संभालेंगे। मंदिर के पट दिन भर खुले रहेंगे।-बड़वाले महादेव मंदिर में फूलों से होगा श्रृंगार बड़वाले महादेव मंदिर में 31 दिसंबर और एक जनवरी दोनों ही दिन विशेष श्रृंगार किया जाएगा। मंदिर के संजय अग्रवाल ने बताया कि 31 दिसंबर और 1 जनवरी को हर साल मंदिर में बड़ी संख्या में दर्शनार्थी आते हैं। ऐसे में दोनों ही दिन मंदिर में भगवान वटेश्वर का अलौकिक श्रृंगार किया जाएगा। ऑनलाइन श्रृंगार दर्शन भी मंदिर के इंटरनेट मीडिया साइट पर उपलब्ध रहेगा। बिड़ला मंदिर के सभी गेट खोले जाएंगे नव वर्ष पर दर्शनार्थियों के लिए बिड़ला मंदिर के पट दिन भर खुले रहेंगे। मंदिर के प्रबंधक केके पांडे ने बताया कि साल के पहले दिन मंदिर में बड़ी संख्या में भक्त भगवान के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। इस अवसर पर दर्शक के लिए मंदिर के पट सुबह से लेकर रात्रि तक खुले रहेंगे। मंदिर में भक्तो की भीड़ को देखते हुए मुख्य गेट के साथ-साथ अन्य गेट भी खोले जाएंगे। जिससे श्रद्धालुओं को मंदिर परिसर में आने जाने में परेशानी न हो।

जनजातीय संग्रहालय युवा चित्रकार सरस्वती परस्ते के चित्रों की प्रदर्शनी

सिटी चीफ भोपाल।
शहर में कलात्मक, सांस्कृतिक, सामाजिक, खेल, धार्मिक आदि गतिविधियों का सिलसिला निरंतर चलता रहता है। शनि?वार 30 दिसंबर को भी शहर में ऐसी अनेक गतिविधियों का आयोजन होने जा रहा है, जिनका आप आनंद उठा सकते हैं। यहां हम कुछ ऐसे ही चुनींदा कार्यक्रमों की जानकारी पेश कर रहे हैं, जिसे पढ़कर आपको अपनी दिन की कार्ययोजना बनाने में आसानी होगी।जेपी बिड़ला संग्रहालय में 17वीं से लेकर 19वीं सदी तक प्रचलित लघुचित्रों की छायाप्रतियों की प्रदर्शनी लगाई गई है। इसे सुबह दस बजे से शाम छह बजे तक देखा जा सकता है।जेपी बिड़ला संग्रहालय में चल रही कला समय प्रदर्शनी में वेस्ट मटेरियल से तैयार वस्तुओं की प्रदर्शनी लगाई गई है। इसे सुबह दस बजे से शाम छह बजे तक देखा जा सकता है। माह का प्रादर्श- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के वीथी संकुल में माह का प्रादर्श के रूप में उत्तराखंड के लोकवाद्य हुड़का को प्रदर्शित किया गया है। प्रादर्श को सुबह 11 बजे से शाम छह बजे तक देखा जा सकता है।चित्रों की प्रदर्शनी-मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय की लिखंदरा दीर्घा में गोंड समुदाय की युवा चित्रकार सरस्वती परस्ते के चित्रों की प्रदर्शनी सह-विक्रय का संयोजन किया गया है। इसे दोपहर 12 बजे से शाम सात बजे तक देखा जा सकता है। भोपाल हाट- नाबार्ड की ओर से स्वसहायता समूह, शिल्पकारों तथा कृषक उत्पादक संगठनों की राष्ट्र स्तरीय प्रदर्शनी सह बिक्री का आयोजन भोपाल हाट में किया जा रहा है। समय दोपहर 12 बजे से है।

मध्य प्रदेश में चुनाव आयोग ने भी शुरू की लोकसभा चुनाव की तैयारी

सिटी चीफ भोपाल।
राजनीतिक दलों के साथ-साथ चुनाव आयोग ने भी लोकसभा चुनाव की तैयारी प्रारंभ कर दी है। मतदाता सूची के पुनरीक्षण का काम प्रारंभ हो गया है। छह जनवरी को सूची का प्रारूप प्रकाशन होगा। इसके पहले यानी पांच जनवरी तक सरकार अपने हिसाब से तबादले कर सकती है। इसके बाद कलेक्टर सहित मतदाता सूची के कार्य में संलग्न अधिकारियों-कर्मचारियों के तबादले करने से पहले आयोग की अनुमति लेनी होगी। यह व्यवस्था मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण पूरा होने तक रहेगी।मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के अधिकारियों का कहना है कि मतदाता सूची के प्रारूप प्रकाशन के साथ इस कार्य से जुड़े अधिकारियों-कर्मचारियों के तबादले नहीं होंगे। इसकी परिधि में कलेक्टर, अपर कलेक्टर, संयुक्त कलेक्टर, डिप्टी कलेक्टर, अनुविभागीय अधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार और बूथ लेवल आफिसर आएंगे। लोकसभा चुनाव में प्रत्येक मतदान केंद्र पर एक बूथ लेवल आफिसर तैनात है, जो छह जनवरी से सूची में नाम जोड़ने, हटाने और संशोधन के लिए आवेदन लेंगे। घर-घर संपर्क करेंगे और मृत, अनुपस्थित और स्थानांतरित मतदाताओं की पहचान करके उनके नाम सूची से हटाने की कार्यवाही करेंगे। रजिस्ट्रीकरण अधिकारी परीक्षण करके आवेदनों का निराकरण करेंगे और सूची को अंतिम रूप देंगे। अंतिम सूची आठ फरवरी को जारी होगी। जब तक यह प्रक्रिया पूरी होती है, तब तक मतदाता सूची के कार्य में संलग्न अधिकारी को बिना आयोग की सहमति नहीं हटाया जाएगा। 31 जनवरी तक हटाने होंगे तीन वर्ष से एक स्थान पर पदस्थ अधिकारी उधर, चुनाव आयोग ने मुख्य सचिव और मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को निर्देश दिए हैं कि 31 जनवरी 2024 तक कलेक्टर, कमिश्नर, पुलिस अधीक्षक, पुलिस महानिरीक्षक सहित अन्य सभी अधिकारियों के तबादले किए जाएंगे

सीए की तैयारी कर रही महिला ने फांसी लगाकर जान दी

सिटी चीफ भोपाल।
अयोध्या नगर में सीए की तैयारी करने वाली 20 वर्षीय शालिनी गौर ने फांसी लगाकर जान दे दी। उसके पास से पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। मृतक के स्वजनों के महिला के पति पर मारपीट समेत प्रताडित करने के आरोप लगाए हैं। पुलिस मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।पुलिस के मुताबिक शालिनी गौर (20) मूलत- सलकनपुर के पास सीहोर की रहने वाली थी। फिलहाल वह अपने पति सौरभ गौर के साथ विजय धाम, नरेला शंकरी स्थित किराए के मकान में रह रही थी। सौरभ उसका दूर का रिश्तेदार है और एक शापिंग माल में नौकरी करता है। सौरभ से शालिनी की पहचान कई साल पहले हुई थी, इसी साल मार्च महीने में दोनों ने मंदिर में शादी कर ली थी। सौरभ ने पुलिस को बताया कि गुरुवार रात खाना खाने के बाद वह घर के बाहर मकान मालिक के साथ था। देर रात कमरे के अंदर पहुंचा तो दरवाजा भीतर से बंद मिला। काफी प्रयास करने के बाद भी जब दरवाजा नहीं खुला तो उसने मकान मालिक को जानकारी दी। किसी तरह दरवाजा तोड़ा गया तो अंदर शालिनी फांसी के फंदे पर लटकी मिली।इधर, मृतका के स्वजनों ने सौरभ पर उसे प्रताड़ित करने के आरोप लगाए हैं। घरवालों का कहना है कि शादी के बाद से सौरभ बेटी के साथ मारपीट भी करने लगा था, जिसकी जानकारी उसने परिजनों को दी थी। गुरुवार को भी उसने फोन किया तो घरवालों ने शुक्रवार को पहुंचने की बात कही, लेकिन इसके पहले ही उसने यह कदम उठा लिया। घायल की मौत इधर,सूखीसेवनिया इलाके में गढ़ाकोटा, सागर निवासी घनश्याम अहिरवार (50) की गुरुवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। निजी काम करने वाले घनश्याम और उनके साथी वृंदावन लोधी को गत 20 दिसंबर को चोपड़ा कला जोड़ पर टाटा 407 वाहन ने टक्कर मार दी थी। दोनों बाइक पर सवार थे। हादसे में वृंदावन की मौके पर ही मौत हो गई थी। जबकि घनश्याम का हमीदिया अस्पताल में इलाज चल रहा था। इलाज के दौरान घनश्याम ने दम भी दम तोड़ दिया। किशोरी की जहरीला पदार्थ खाने से मौत भोपाल। खजूरी सड़क थाना इलाके में एक किशोरी की जहरीला पदार्थ खाने से मौत हो गई। पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिलने के कारण खुदकुशी की वजह फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सकी है। खजूरी सड़क थाना पुलिस के मुताबिक 17 वर्षीय जोया पुत्री इलियास अली ग्राम जमुनिया में परिवार के साथ रहती थी। 10 वीं तक पढ़ने के बाद उसने स्कूल जाना बंद कर दिया था। गुरुवार शाम को उसने घर में रखा कोई जहरीला पदार्थ खा लिया था। हालत बिगड़ने पर स्वजन ने उसे उपचार के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। उपचार के दौरान गुरुवार रात उसकी मौत हो गई।

मध्य प्रदेश में मंत्रियों को विभागों का बंटवारा अब एक-दो दिन में

सिटी चीफ भोपाल।
मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने शुक्रवार को नई दिल्ली में गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात करके मंत्रियों को विभाग आवंटन पर भी चर्चा की। माना जा रहा है कि पार्टी हाईकमान से कुछ सुझाव के साथ मुख्यमंत्री मोहन यादव की ओर से विभागों के प्रस्ताव को हरी झंडी दे दी गई है और अब एक-दो दिन में मंत्रियों को विभाग आवंटित कर दिए जाएंगे। वैसे, मंत्रियों को विभाग आवंटन की प्रारंभिक तैयारी पहले ही की जा चुकी थी।गुरुवार को दिल्ली रवाना होने से पहले मुख्यमंत्री ने भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद के साथ आधे घंटे बैठक की थी। उनसे विभाग आवंटन पर चर्चा की। वह मंत्रियों से उनकी रुचि पहले ही पूछ चुके थे। कुछ मंत्रियों के साथ अलग से चर्चा भी हो चुकी है। अब इसे अंतिम रूप दिया जा रहा है, जिसे लेकर ही मुख्यमंत्री ने दिल्ली में शीर्ष नेताओं से चर्चा की है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि अब मोहन यादव सरकार पूरा जोर पार्टी के संकल्प पत्र और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी को पूरा करने की कार्ययोजना बनाकर काम में जुटने पर है इसलिए अब मंत्रियों को विभाग आवंटित में देरी नहीं की जाएगी। ऐसे में, माना जा रहा है कि एक-दो दिन में विभागों का आवंटन कर दिया जाएगा। वैसे भी, मार्च में लोकसभा चुनाव की घोषणा के साथ आचार संहिता संभावित है।

संपादकीय

सामयिक: विशेषाधिकारों के अंत का शोकगीत और सुविधाजीवी नेताओं का सियासी संकट

राजोरी की आतंकी घटना के बाद फारूक अब्दुल्ला का दुर्भाग्यपूर्ण बयान आया-%दोस्त बदले जा सकते हैं, पड़ोसी नहीं...अगर बातचीत से यह सुलझाया नहीं गया, तो हमारा हाल वही होगा, जो गाजा फलस्तीन का हो रहा है।% अब कौन-सी वार्ता होनी है? पाकिस्तान की तो शर्त है कि अनुच्छेद 370 की बहाली तक बात नहीं होगी। यह बहाल होना नहीं है, तो स्पष्ट है कि वार्ता भी नहीं होनी है। चाहे महबूबा मुफ्ती हों या फारूक अब्दुल्ला, ये सब पाकिस्तान से वार्ताओं के बड़े पैरोकार हैं। फर्ज करें कि वार्ताएं हुईं भी, तो पाकिस्तान 370 की बहाली के बाद कश्मीर घाटी का इलाका तो अवश्य चाहेगा। लेकिन अब कश्मीर घाटी वार्ता की मेज पर है ही नहीं। वहां तो हमारा एकमात्र मुद्दा पीओके है। इसलिए अब पुराने मुद्दों की दृष्टि से वार्ताओं की कोई साझा भूमि बची ही नहीं है। दरअसल भारत-पाकिस्तान में विवाद की स्थितियां अब तक शेख अब्दुल्ला परिवार की सत्ता संभावनाएं बनाए रखती रही हैं। मुफ्ती मोहम्मद सईद भी बाद में इसी पाकपरस्त क्लब में शामिल हो गए। शेख अब्दुल्ला की महत्वाकांक्षा एक आजाद खुदमुख्तार कश्मीर की थी। पाकिस्तान के साथ जाना उनके सपने का ही नहीं, बल्कि उनके राजनीतिक अस्तित्व का भी अंत कर देता। इसलिए वह नेहरू-गांधी के अहिंसक सेक्यूलर भारत के साथ खड़े हो गए। पाकिस्तानी कबाइलियों का पीछा करती भारतीय सेना को अचानक उरी में रोक दिए जाने का उन्हें यह लाभ मिला कि शेख का राजनीतिक विरोधी, पंजाबी डोगरी भाषा-भाषी इलाका भारत से बाहर रह गया और पीओके के रूप में अस्तित्व में आया। यदि वह क्षेत्र भारत में शामिल करा लिया जाता, तो शेख अब्दुल्ला को चुनौतियां मिलने लगतीं। इसलिए शेख के कश्मीर की सत्ता में बने रहने के लिए आवश्यक था कि सेना वहां से आगे न बढ़े। दूसरा, अनुच्छेद 370 जैसा विशेषाधिकार कश्मीर को दे दिया जाए। चूंकि माउंटबेटन ने नेहरू से जनमत संग्रह की घोषणा करा दी थी, तो शेख अब्दुल्ला की बातों को मानने की मजबूरी हो गई थी, जिसके चलते अनुच्छेद 370 का जन्म हुआ। हालांकि संविधान सभा में इसका विरोध भी हुआ। कश्मीर की पहचान व विशेषाधिकार के प्रतीक के रूप में अनुच्छेद 370 वह आधार बना, जिसने वहां अलगाववादी सोच को एक राजनीतिक आधार दे दिया। अब्दुल्ला परिवार व अलगाववादियों, दोनों के लिए इस विशेषाधिकार की रक्षा करना लक्ष्य हो गया। इसीलिए 370 के निष्प्रभावी हो जाने का दर्द इन नेताओं को आज भी बहुत सालता है। बहरहाल, विशेषाधिकार तो चला ही गया, लद्दाख के अलग केंद्र शासित प्रदेश बन जाने से मानचित्र पर दिख रहा वह विस्तार भी गायब हो गया है। जम्मू प्रसन्न है, सत्ता की आहटें सुन रहा है। इसलिए कश्मीर की शांति, विकास व रिकॉर्ड तोड़ पर्यटन की खुशहाली उन नेताओं से बर्दाश्त नहीं हो पा रही है। वे यहां गाजा की कल्पना करके उसमें भूत देख रहे हैं। दूसरी ओर, पीओके में पाकिस्तान विरोधी आंदोलन परवान चढ़ रहा है। अलगाववादी सोच के लिए दूसरी बड़ी समस्या पीओके की वापसी की संभावनाएं भी हैं। यदि ऐसा संभव हुआ, तो कश्मीर की राजनीति में कश्मीर घाटी के वर्चस्व का सूरज स्थायी रूप से डूब जाएगा। यह एक बड़ी चिंता शेख अब्दुल्ला व मुफ्ती मोहम्मद सईद की सोच व उनके वारिसों की है। पंचायत चुनावों के बाद कश्मीर में स्थानीय जमीनी नेतृत्व की नई पौध विकसित हो रही है। उनके पास आज वे विकल्प हैं, जो पहले कभी नहीं थे। संपूर्ण भारत आज एक विशाल संभावना है। तो विशेषाधिकारों के पुराने सुविधाजीवी, अलगावपरस्त माहौल में पली-बढ़ी वह राजनीतिक पीढ़ी आज संकट में है। बीत रहे वर्ष 2023 के साथ उनके ये निराशावादी उद्गार व पाकिस्तान से वार्ताओं का पुराना राग एक शोकगीत से अधिक और कुछ नहीं है।

पार्वती-कालीसिंधु-चंबल नदियों को जोड़ अटल बिहारी

वाजपेपी का एक और सपना पूरा करेगी भाजपा

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का एक और सपना पूरा होने के करीब पहुंच गया है। वर्ष 2004 से पहले अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने देश में नदियों को जोड़ने की परिकल्पना की थी। उन्होंने 31 रिवर इंटरलिंक्स चिन्हित किए थे, लेकिन अटल सरकार लोकसभा चुनाव हार गई। केंद्र में कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार आने से यह प्रोजेक्ट दस साल तक ठंडे बस्ते में रहा और यह सपना अधूरा रह गया।

वर्ष 2014 में दिल्ली में नरेंद्र मोदी सरकार बनने के बाद एक बार फिर नदी जोड़ो परियोजना की फाइलों को निकाला गया। नदियों को जोड़ने की उम्मीद जागी। केन और बेतवा नदियों को लेकर जोड़ने को लेकर मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश सरकार में सहमति बन गई है और काम शुरू हो चुका है। अब मध्य प्रदेश और राजस्थान भी पार्वती-कालीसिंधु-चंबल (पीकेसी) नदियों को जोड़ने के लिए सहमति बनाने के लिए आगे बढ़ गए हैं। इस प्रोजेक्ट से पूर्वी राजस्थान में नई हरित क्रांति की शुरुआत हो सकती है। नए पीकेसी लिंक से पानी के लिए तरस रहे पूर्वी राजस्थान के 13 जिलों जयपुर, अलवर, भरतपुर, धौलपुर, अजमेर, करौली, दौसा, टोंक, सवाईमाधोपुर, कोटा, बूंदी, झालावाड़ और बारां में न केवल अगले 30 साल तक पीने का पानी सुचारू रूप से मिलता रहेगा, बल्कि 7 लाख हेक्टेयर नई भूमि सिंचित भी होगी। मध्य प्रदेश में मालवा और चंबल क्षेत्र में 2.8 लाख हेक्टेयर क्षेत्र की सिंचाई हो सकेगी। इस नए लिंक को राजस्थान में ईस्टर्न राजस्थान कैनल प्रोजेक्ट (ईआरसीपी) के साथ जोड़ा जाएगा। इसको नया नाम ईआरसीपी-पीकेसी लिंक प्रोजेक्ट दिया गया है। दरअसल, ईआरसीपी की कवायद वर्ष 2016 में राजस्थान की भाजपा नेतृत्व वाली वसुंधरा राजे सरकार ने शुरू की थी। उन्होंने एक डीपीआर भी तैयार करा ली थी, लेकिन डीपीआर में खामी के चलते प्रोजेक्ट में विलंब हुआ। डीपीआर में सुधार होता, उससे पहले वर्ष 2018 में राजस्थान में सरकार बदल गई। अशोक गहलोत के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार बनी तो उसने खामी वाली डीपीआर को ही आगे बढ़ाने का प्रयास किया।उस समय मध्यप्रदेश में भी कमलनाथ के नेतृत्व में कांग्रेस की ही सरकार थी, लेकिन उन्होंने राजस्थान के साथ सहमति नहीं बनाई। फिर यह एक राजनीतिक मुद्दा बनकर रह गया। केंद्र में नरेंद्र मोदी सरकार और राज्य में अशोक गहलोत सरकार आपस में पानी को लेकर राजनीति में फंसते चले गए। कांग्रेस ने पूर्वी राजस्थान के 13 जिलों में इस मुद्दे को काफी जोर-शोर से उठाया। बजट में कुछ धन भी ईआरसीपी के नाम पर रखा, लेकिन राज्य अपने संसाधनों से इसे पूरा नहीं कर सकता था, यह बात अशोक गहलोत भलीभांति जानते थे। पहले से माना जा रहा था कि यदि राजस्थान और मध्य प्रदेश में भाजपा की सरकार आती है तो ईआरसीपी-पीकेसी लिंक प्रोजेक्ट को एक बार फिर गति मिल सकती है। ऐसा हुआ भी। जैसे ही दोनों राज्यों में भाजपा नेतृत्व की सरकार बनी, केंद्र में जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, जो पहले से इस लिंक प्रोजेक्ट को पूरा करने का वादा करते आ रहे थे, सक्रिय हो गए। अभी राजस्थान में मंत्रिमंडल का गठन नहीं हुआ है, लेकिन शेखावत ने राजस्थान और मध्य प्रदेश के अधिकारियों को दिल्ली बुलाकर इस प्रोजेक्ट पर काम शुरू करा दिया है। लोकसभा चुनाव से पहले दोनों राज्यों और केंद्र सरकार के बीच सहमति बनाकर बजट स्वीकृत किया जा सकता है। भाजपा इस प्रोजेक्ट के माध्यम से राजस्थान के 13 जिलों के वोटर्स को साधना चाहती है। यह प्रोजेक्ट नौ लोकसभा सीटों जयपुर, जयपुर ग्रामीण, अजमेर, कोटा, दौसा, भरतपुर, धौलपुर-करौली, टोंक-सवाईमाधोपुर, बारां-झालावाड़ पर भाजपा को लाभ पहुंचाएगा। इस प्रोजेक्ट पर करीब 50,000 करोड़ रुपए का खर्च आएगा, जिसमें 90 प्रतिशत राशी यानी 45,000 करोड़ रुपए केंद्र सरकार वहन करेगी। शेष 10 प्रतिशत की राशि राजस्थान और मध्य प्रदेश अपने क्षेत्र में होने वाले खर्च में से देंगे। राजस्थान को 3725 करोड़ रुपए खर्च करने पड़ सकते हैं। 5 साल से अटका यह प्रोजेक्ट जब पूरा होगा तो पूर्वी राजस्थान में एक नई हरित क्रांति देखने को मिलेगी। उम्मीद है कि केन-बेतवा और पार्वती-कालीसिंधु-चंबल के बाद देश के शेष 29 रिवर इंटरलिंक्स पर भी सहमति बनाकर काम शुरू जाए।

सरोकार की आवाजें जब कमजोर होती हैं तो 'विद्रोही' की कविताएं भीड़ की तरह बोलती हैं

जीवन स्थायित्व की तलाश करता है। कवि ने अस्थायित्व को चुना। बेघर रहा, हर रात का दर ही उसका घर रहा। जहाँ शाम हो जाए, जहाँ नींद आ जाए वहीं घर हो जाए। उन्होंने जीवन इसी तरह जिया। रमा शंकर यादव नाम मिटता गया और वह विद्रोही बनता गया, कवि विद्रोही और विद्रोह का कवि। सबने उन्हें इसी नाम से जाना। लोगबाग जेएनयू आते तो उन्हें इसी नाम से खोजते। विद्रोही कुछ वक्त के लिए अगर कहीं चले जाते तो जेएनयू उन्हें इसी नाम से खोजता। यहीं उनका घर था। यहाँ के ढाबे और यहाँ की सारी जगहों के रिक्त स्थानों में जरूरी शब्द की तरह जरूरी वक्त पर वे खड़े हो जाते। लड़ाई में लोग कम होते तो उनकी कविताएँ भीड़ की तरह बोलने लगतीं। जेएनयू के पत्थरों को उनके पीठ के निशान की आदत सी हो गई थी जो शायद अब भी बची हों। सर्दियों के एक दिन वह शहर की तरफ गया, छात्रों के साथ किसी लड़ाई का हमवार होने और लौटा तो उसकी लाश लौटी। कविता बड़बड़ाते हुए वह चुप हो गये... वह 3 बरस पहले के दिसंबर की यही शाम थी। कुछ नारे लगाते हुए, कुछ कविता बड़बड़ाते हुए वह चुप हो गया अचानक। वहीं, शहर और जुलूस की भीड़ के बीचोबीच। वह कविता के तौर-तरीक़ों से लेकर जीवन तक में विद्रोही रहा। वह कविताओं का लेखक नहीं था, एक बुनकर कवि था जो अपने ही भीतर कविताओं को बुनता-धुनता और वक्त-बेवक्त उन्हें सुनाता। कवि जिसका लिखा हुआ कुछ भी नहीं है, सबकुछ कहा हुआ है। उनका कहा हुआ ही और लोगों ने लिखा और एक अकेली उनकी किताब का शीर्षक दे दिया 'नयी खेती'। विद्रोही, इंसान के रूप में एक बिम्ब की तरह थे। सबको समझने का अलग-अलग मायने देते हुए, जीवन और लिबास में जर्जर, और एक मजबूत जनकवि उसके भीतर। लिबास से आदमी को पहचान करने वालों के लिए पूर्ण विराम लगाते हुए। इंसान की पहचान का कोई और मायने बताते हुए। वे इंसान को समझने और उसे भीतर से कहीं तलाशने का तौर देते थे। बेसुमार नामों में छूटा हुआ होना ही कवि होना है... जो उस इंसान की भाषा में है, जो उसके जीवन जीने के सलीके में है। शुमार कवियों के नामों में उनका नाम छूट गया, छोड़ दिया गया। आलोचकों से भी, साहित्य के मठाधीशों से भी। बेशुमार नामों में छूटा हुआ होना ही उनका कवि होना है। एक अलग रास्ते का कवि, पगडंडी की तरफ जाता हुआ कवि। पढ़ाई अधूरी छोड़ दी, ऐसा लोग कहते हैं। जबकि आख़िरी वक्त तक देश और दिल्ली की लड़ाई ही उनकी पढ़ाई रही। जुलूस, नारे, भीड़ और समारोह ही उनकी किताबें थीं। बदलाव की लड़ाइयों के हमवार रहे वे। सबकी बातों के बाद आख़िर में अपनी बात कहते, जोर से कहते और यही उनकी कविता होती। जिसमे इतिहास से वर्तमान तक सिमटा होता। वह इतिहास जो लिखा नहीं गया। जिसे लिखने के बजाय हर बार मिटाया जाता रहा। उसी मिटे हुए को वे सुनाते रहे। कविता में इतिहास को बताते रहे। वे अपने को बचाने की बात कहते हुए एक इतिहासबोध, एक सभ्यता को बचाने की बात करते हैं। वे लिखते हैं कि-

तुम वे सारे लोग मिलकर मुझे बचाओ
जिसके खून के गारे से
पिरामिड बने, मीनारें बनीं, दीवारें बनीं
क्योंकि मुझको बचाना उस औरत को बचाना है
जिसकी लाश मोहनजोदड़ो के तालाब की
आख़िरी सीढ़ी पर पड़ी है
मुझको बचाना उस इंसान को बचाना है
जिसकी हड्डियां तालाब में बिखरी पड़ी हैं
मुझको बचाना अपने पुरखों को बचाना है
मुझको बचाना अपने बच्चों को बचाना है
तुम मुझे बचाओ !
मैं तुम्हारा कवि हूँ
मैं किसान हूँ, आसमान में धान बो रहा हूँ
यह बचाना इतिहास में उस समाज को बचाना है, जो दुनिया को गढ़ रहा है और खुद लगातार मर रहा है। जिसका रचा हुआ ही इतिहास का बनना है, इतिहास की रचना है पर वहाँ से उसे गायब कर दिया गया है। यह एक चेतना है जो मेहनतकशों की गवाही के लिए विद्रोही अपनी कई कविताओं में खड़ा करते हैं। उनकी कविताएं सवाल करती थीं, तर्क करती थीं और जवाब देती थीं।

जिस तरह से उनका जीवन बनी बनाई मान्यताओं को तोड़ता हुआ जीवन था, उसी तरह कविताओं में वे सवालों और तर्कों के जरिए बनी हुई झूठी मान्यताओं को तोड़ते थे। धर्म से तर्क करते थे, विद्रोह की भाषा में उससे जिद करते थे, नई खेती कविता में वे बोलते हैं कि-

मैं किसान हूँ
आसमान में धान बो रहा हूँ
कुछ लोग कह रहे हैं
कि पगले आसमान में धान नहीं जमता
मैं कहता हूँ कि
गेगले-गोगले
अगर ज़मीन पर भगवान जम सकता है
तो आसमान में धान भी जम सकता है

...भविष्य में वह आख़िरी औरत कौन होगी इस तरह वे सवाल करते। सवाल में तर्क करते और तर्क को जिद में बदल देते, जिद ही उनकी कविता के अंत का मूल होती है। जो उनके जीवन और कविता दोनों में दिखती है। अपनी एक कविता औरत जिसे वे अक्सर सुनाया करते थे, उसके अंत में भी तर्क के साथ इसी जिद के होने को हम देख सकते हैं। जिसे वे सवाल के सहारे बोलते हुए सुनाते कि-

इतिहास में वह पहली औरत कौन थी
जिसे सबसे पहले जलाया गया
मैं नहीं जानता
लेकिन जो भी रही होगी
मेरी माँ रही होगी
लेकिन मेरी चिंता यह है कि
भविष्य में वह आख़िरी औरत कौन होगी
जिसे सबसे अंत में जलाया जाएगा
मैं नहीं जानता
लेकिन जो भी होगी
मेरी बेटी होगी
और मैं यह नहीं होने दूंगा

यही जिद ही विद्रोह है। तर्कों से अपनी बात पर अडिग हो जाना ही उनका विद्रोही होना है। अपनी एक कविता 'पिछली सदी की आख़िरी रात में भी वे लिखते हैं कि-

ऐ मेरे देवता !
अब बहुत हो चुका
आदमी के लिए रास्ता छोड़ दो
मैं गुनहगार हूँ
मुझको दे दो सज़ा
तुम गला काट लो
मेरा सिर तोड़ दो
धरती देखा गगन निहारा...

विद्रोही ने अवधी में भी कुछ कविताएँ लिखी। जिनके विषय अवध के लोग और अवध का लोक रहा। ज़मीन, बिरहा और आसपास को समझाते-बताते हुए। यह उनका अपना देस था जिसकी देसजता को वे बखूबी समझते और सुनाते रहते। हिंदी में कहते-बोलते हुए वे अवधी सुनाने लगते। वे इन्हीं तर्कों के साथ ही सहज बोलचाल की भाषा में सवाल की कविता करते। जवाब देते और उनकी उम्मीद भी वहीं से बनी रही। जहाँ लोग हैं, जहाँ सब मिलकर कुछ सोच रहे हैं। सब मिलकर ही सवालों को हल कर रहे हैं। अपनी कविता कोई राह निकल आएगी में वे सुनाते हैं ....

राम मंदिर के उद्घाटन समारोह में

नेपाल, थाईलैंड सहित ये देश भेजेंगे विशेष उपहार

अयोध्या । जनवरी 2024 में अयोध्या में होने वाले राम मंदिर के उद्घाटन समारोह के लिए नेपाल विशेष स्मृति चिन्ह भेजेगा. रिपोर्ट्स में कहा गया है कि जनकपुरधाम-अयोध्याधाम यात्रा 18 जनवरी को शुरू होगी और 20 जनवरी को अयोध्या में समाप्त होगी. स्मृति चिन्ह उसी दिन राम मंदिर ट्रस्ट को सौंप दिए जाएंगे और स्थापना समारोह 22 जनवरी को होगा. अयोध्या स्थित राम जन्मभूमि में श्रीराम मंदिर के उद्घाटन के लिए सभी तैयारियों जोरशोर से चल रही हैं। 24 जनवरी 2024 को राम मंदिर का भव्य उद्घाटन होने जा रहा है। इसके लिए कई देशों से विशेष चीजें आई हैं। नेपाल की विशेष नदियों से पत्थर आए। वहीं इसी क्रम में थाईलैंड भी दो नदियों का जल भेज चुका है। लेकिन इस बार राम मंदिर के उद्घाटन से पहले एक विशेष मिट्टी उपहार के रूप में थाईलैंड भेज रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक राम मंदिर के लिए थाईलैंड की मिट्टी भेजने वाली बात पर विश्व हिंदू परिषद के थाईलैंड चैप्टर के अध्यक्ष सुशील कुमार सराफ ने जानकारी दी कि हम मिट्टी को अयोध्या ले जाने के लिए गोविंद बृज महाराज को सौंपने जा रहे हैं। इससे पहले थाईलैंड राम मंदिर के लिए मिट्टी से पहले दो नदियों का पानी भी भेज चुका है। थाईलैंड के पहले दुनिया के लगभग 155 देशों से पानी आ चुका है। इनमें फिजी, मंगोलिया, डेनमार्क, भूटान, रोमानियां, हैती, ग्रीस, कोमोरोस, कबेवर्डे, मोन्टीनीग्रो, टुवालू, अल्बानियां और तिब्बत आदि देश शामिल हैं।

राम मंदिर के उद्घाटन के लिए आमंत्रण

थाईलैंड में विश्व हिंदू परिषद के अध्यक्ष सुशील कुमार सराफ ने कहा कि थाईलैंड का भारत के साथ गहरा सांस्कृतिक संबंध है ये और मजबूत होगा। बता दें कि सुशील कुमार सराफ थाईलैंड के एक प्रमुख कारोबारी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार उन्होंने कहा कि हमने यहां बैंकॉक में श्री राम मंदिर की प्रतिकृति बनाई है, ताकि लोग दर्शन कर सकें। हमें भी अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया गया है।

थाईलैंड में राम वंश का शासन

भारत और थाईलैंड के बीच सांस्कृतिक संबंध के बारे में बोलते हुए सराफ ने कहा कि यहां हर घर में आपको गणेशजी की मूर्ति मिल जाएगी। यहां के कई मंत्रालयों के प्रतीक चिन्ह हिंदू प्रतीकों से मिलते जुलते हैं। गरुड़जी उनके कई विभागों के प्रतीक हैं। ब्रह्मा के दर्शन के लिए विभिन्न देशों से लोग यहां आते हैं। थाईलैंड में बसने के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा कि थाईलैंड हिंदुओं के लिए एक अच्छी जगह है।

आचार्य चाणक्य की ये बातें बदल सकती है तकदीर

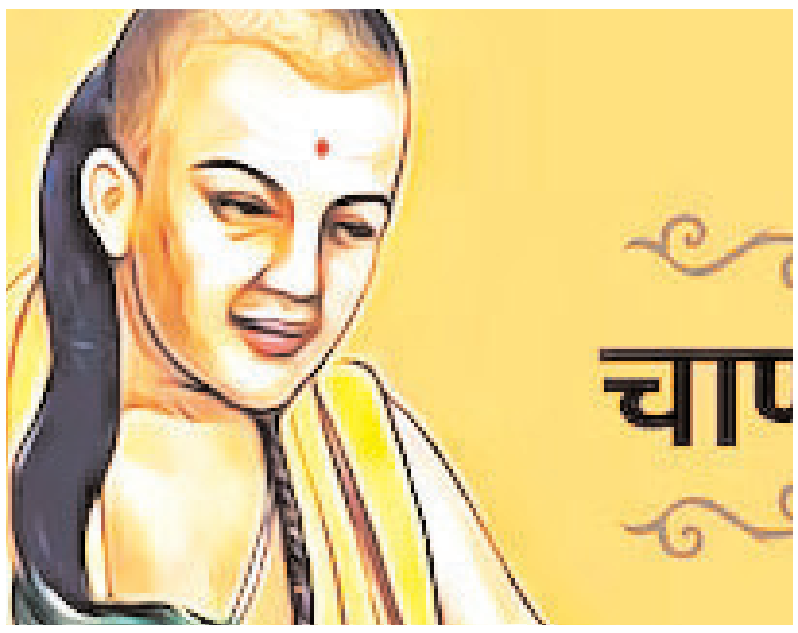

आचार्य चाणक्य की गिनती भारत के श्रेष्ठ विद्वानों में की जाती है। ये एक कुशल राजनीतिज्ञ, कूटनीतिज्ञ और रणनीतिकार होने के साथ ही अर्थशास्त्र के मर्मज्ञ भी थे। परेशानियों से बचने के लिए अक्सर लोग चाणक्य नीति को अपनाते हैं। चाणक्य के नीतिशास्त्र में जीवन के कई पहलुओं की समस्याओं से जुड़े सूत्र हैं जिन्हें अपनाकर लोग अपनी परेशानियों का निवारण करते हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो चाणक्य नीति मुसीबतों का रामबाण इलाज हैं। आचार्य चाणक्य ने नीतिशास्त्र में निजी जीवन से लेकर नौकरी, व्यापार और रिश्तों से जुड़े सभी पहलुओं पर अपने विचार साझा किए हैं। नीतिशास्त्र में बताई गई बातें अक्सर लोगों को कठोर लगती हैं लेकिन ये बातें व्यक्ति को सही और गलत का मार्ग बताती हैं। आज हर व्यक्ति जीवन में अपनी इच्छा अनुसार सफलता पाना चाहता है और ऐसा ना होने पर वह जीवन के प्रति निराशा व्यक्त करने लगता है। इस विषय में आचार्य चाणक्य ने चाणक्य नीति में बताया है कि मनुष्य किस प्रकार सफलता हासिल कर सकता है। आइए जानते हैं आचार्य चाणक्य की इन अनमोल बातों के बारे में।

अपनी कमजोरी किसी को न बताएं

आमतौर पर लोग अपनी कमजोरी अपने करीबियों को बता देते हैं जिसका परिणाम केवल दुख होता है। आचार्य चाणक्य के अनुसार, मनुष्य को अपनी कमजोरियां किसी को भी नहीं बतानी चाहिए। ऐसा करने पर सामने वाला व्यक्ति उस कमजोरी को किसी के भी सामने उजागर कर सकता है।

एक बार फिर दूल्हे के रोल में नजर आएंगे वरुण, दुल्हनियां 3 की कहानी फाइनल!

सुपरस्टार वरुण धवन एक बार फिर से दूल्हा बनने जा रहे हैं। रियल लाइफ में नहीं बल्कि रील लाइफ में। वरुण धवन अपनी सुपरहिट रोमांटिक कॉमेडी फिल्म हम्प्टी शर्मा की दुल्हनिया और बद्रीनाथ की दुल्हनिया फ्रेंचाइजी की अगली कड़ी में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म को शशांक खेतान डायरेक्ट करेंगे, जिन्होंने दुल्हनियां फ्रेंचाइजी की दोनों फिल्मों को निर्देशित किया था। फिल्म के दोनों भाग में आलिया भट्ट और वरुण धवन लीड रोल में थे। इस जोड़ी को दर्शकों ने काफी पसंद किया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, निर्माता करण जौहर, डायरेक्टर शशांक खेतान और वरुण धवन ने दुल्हनिया 3 की कहानी के लिए कई आइडिया पर चर्चा की और अंत में एक को फाइनल किया। यह फिल्म अगले साल 2024 के अंत में फ्लोर पर जाएगी। इस फिल्म में भी वरुण धवन के साथ आलिया भट्ट ही मुख्य भूमिका में होंगी वरुण और आलिया का हम्प्टी शर्मा की दुल्हनिया और बद्रीनाथ की दुल्हनिया से गहरा नाता रहा है। इन दोनों सितारों के करियर को आगे बढ़ाने में दुल्हनिया फ्रेंचाइजी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। वहीं, करण जौहर भी आलिया और वरुण के साथ दुल्हनियां 3 को बनाने को लेकर काफी एक्साइटेड हैं। बता दें कि कुछ महीने पहले भी करण जौहर ने इस फिल्म की अगली कड़ी के संकेत दिए थें। हालांकि, तब फिल्म की कहानी फाइनल नहीं हुई थी। करण ने अपने इंस्टाग्राम लाइव सेशन में एक फैंस के सवाल का जवाब देते हुए कहा था, दुल्हनिया एक बेहतरीन फ्रेंचाइजी है। यह हमारी प्रीमियर फ्रेंचाइजी में से एक है, जो प्यार और भावनाओं से भरपूर है। दो प्यार करने वाले लोगों के साथ भावनाओं और कॉमेडी का मिश्रण दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करेगा।

बोले खो गए हम कहांस्टार सिद्धांत चतुर्वेदी

प्यार को दुनिया की नजर लग जाती है

फिल्म 'खो गए हम कहां' में दमदार एक्टिंग के लिए सिद्धांत चतुर्वेदी की खूब तारीफ हो रही है। तीन दोस्तों की जिंदगी पर आधारित ये फिल्म युवाओं को काफी पसंद आ रही है। पिछले दिनों मीडिया से सिद्धांत चतुर्वेदी ने खुल कर बातें की। उन्होंने अपनी निजी जिंदगी और डेटिंग लाइफ के बारे में भी काफी कुछ साझा किया।

निजी जिंदगी पर बात करना नहीं पसंद

गली बॉयस्टार सिद्धांत कहते हैं,अपनी निजी जिंदगी को सबके साथ शेयर नहीं करना चाहिए। एक एक्टर से उनकी फिल्मों के बारे में बातें करिए न कि वो किसे डेट कर रहे हैं और किसे नहीं। मेरी माँ कहती है,जिसे आप बहुत प्यार करते हों उसे छिपा कर रखना चाहिए। नजर लग जाती है।मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो सिद्धांत चतुर्वेदी अमिताभ बच्चन की नातिन नव्या नंदा को डेट कर रहे हैं लेकिन कभी भी उन्होंने इस बारे कुछ नहीं कहा। सिद्धांत ने हमेशा इस सवाल को टाल जाते हैं।

मना रहे फिल्म की सफलता का जश्न

सिद्धांत को बार-बार पैपराजी के सामने आना भी पसंद नहीं है। उनकी कोशिश हमेशा कैमरे को अवॉयड करने की ही होती है लेकिन पिछले दिनों उन्हें कई बार क्लिक किया गया। इस बारे में सिद्धांत कहते हैं, फिल्म 'खो गए हम कहांकी प्रमोशन के लिए उन्हें बार-बार पैपराजी के सामने आना पड़ा। वैसे जब सिद्धांत दोस्तों के साथ होते हैं तब उनके लिए पैपराजी के कैमरे में क्लिक होना एक मस्ती भरा पल होता है। सिद्धांत इन दिनों खो गए हम कहांकी सफलता को एंजॉय कर रहे हैं।

नेटफ्लिक्स पर हो रही स्ट्रीम

नेटफ्लिक्स पर 26 दिसंबर से स्ट्रीम हो रही इस फिल्म में सिद्धांत चतुर्वेदी ने इमादका किरदार निभाया है। जो एक स्टैंड-अप कॉमेडियन है। फिल्म में उनकी कॉमेडी टाइमिंग जबर्दस्त है। खो गए हम कहांमें सिद्धांत चतुर्वेदी के अलावा अनन्या पांडे और आदर्श गौरव अहम भूमिका में दिखाई दे रहे हैं।

मुन्ना भाई 3 की कहानी पर काम कर रहे राजकुमार हिरानी

कहा- मैं और संजू चाहते हैं एक और फिल्म...

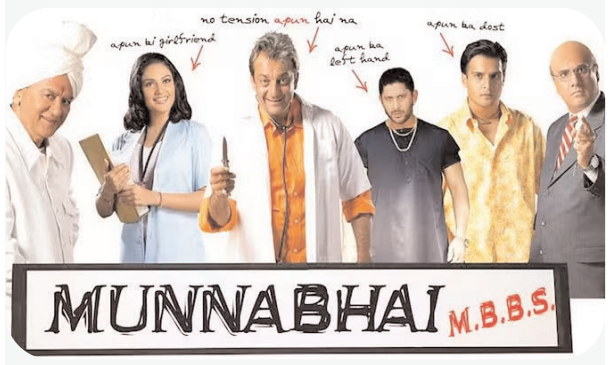

फिल्म निर्देशक राजकुमार हिरानी इन दिनों अपनी फिल्म डंकी को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में शाहरुख खान मुख्य भूमिका में हैं, जिन्होंने पहली बार राजकुमार हिरानी के साथ सहयोग किया। राजकुमार ने इंडस्ट्री को कई हिट फिल्में दी हैं, जिसमें मुन्ना भाई भी शामिल है। 2003 में राजकुमार ने अपनी प्रतिष्ठित कॉमेडी फिल्म मुन्ना भाई एमबीबीएस बनाई, जिसके जरिए उन्होंने मुन्ना भाई यानी संजय दत्त और सर्किट यानी अरशद वारसी को दर्शकों के सामने पेश किया। दो फिल्मों के बाद दर्शकों को तीसरी किस्त का इंतजार है, जिस पर राजकुमार ने बड़ा अपडेट दिया है। संजय और अरशद की बेहतरीन कॉमिक टाइमिंग, राजकुमार हिरानी और विधु विनोद चोपड़ा की साझेदारी और कहानी की बदौलत यह फिल्म आज तक दर्शकों के दिलों में बसी हुई है। निर्माताओं ने मुन्नाभाई एमबीबीएस के सीक्वल के साथ दर्शकों को गुदगुदाना जारी रखा। 2006 में संजय और अरशद ने लगे रहो मुन्ना भाई में मुन्ना और सर्किट की अपनी भूमिकाओं को दोहराया और गांधीगिरी दिखाते हुए दर्शकों को हंसाने में कामयाब रहे। वहीं दर्शक अब बेसब्री से फिल्म की तीसरी किस्त का इंतजार कर रहे हैं। अब हाल ही में दिए इंटरव्यू में राजकुमार हिरानी ने मुन्ना भाई 3 बनाने की ओर इशारा किया। राजकुमार हिरानी ने मुन्ना भाई 3 बनाने की बात करते हुए कहा कि इस फिल्म के साथ मेरा संघर्ष यह है कि पहली दो फिल्में ब्लॉकबस्टर हिट रहीं और मेरे पास अब पांच आधी-अधूरी स्क्रिप्ट हैं। मुझे लगता है कि अगर मैं उन दो फिल्मों के स्तर तक नहीं पहुंच पाया तो तीसरी फिल्म नहीं बना पाऊंगा। मेरे पास एक कहानी है, जिसे बनाया जा सकता है, लेकिन कुछ कहानियां पुरानी हो जाती हैं, इसलिए समय ही बताएगा राजकुमार हिरानी ने आगे कहा कि मेरी संजू (संजय दत्त) अक्सर बात होती रहती हैं। वे कहते हैं कि एक और कहानी बनानी चाहिए। अभी यह डंकी खत्म हुई है तो अब मैं अपनी पुरानी कहानियों का पिटारा खोलूंगा। मन तो है कि एक मुन्ना भाई और बनानी है, पर कब वह मुझे अभी नहीं पता। वहीं अब फिल्म निर्माता की इस बात के बाद से दर्शकों के दिल में एक बार फिर फिल्म की तीसरी किस्त को लेकर उम्मीद जाग गई है। राजकुमार हिरानी ने आगे कहा कि मेरी संजू (संजय दत्त) अक्सर बात होती रहती हैं। वे कहते हैं कि एक और कहानी बनानी चाहिए। अभी यह डंकी खत्म हुई है तो अब मैं अपनी पुरानी कहानियों का पिटारा खोलूंगा। मन तो है कि एक मुन्ना भाई और बनानी है, पर कब वह मुझे अभी नहीं पता। वहीं अब फिल्म निर्माता की इस बात के बाद से दर्शकों के दिल में एक बार फिर फिल्म की तीसरी किस्त को लेकर उम्मीद जाग गई है।

ट्रेलर रिलीज डेट से भी उठा पर्दा

स्टार वार्स जैसी फेंचाइजी नहीं होगी कल्कि 2898 एडी

नाग अश्विन की आगामी परियोजना कल्कि 2898 एडी प्रभास की बहुप्रतीक्षित परियोजनाओं में से एक है। टीम फिल्म की कहानी के बारे में गुप्त रही है, लेकिन नाग ने आईआईटी बॉम्बे में आयोजित एक कार्यक्रम में फिल्म के बारे में थोड़ा खुलासा किया। साथ ही प्रभास को एक सहज कॉल पर देखा गया। हालांकि, असली रत्न फिल्म के बारे में नाग अश्विन के खुलासे थे। साझा की गई एक उल्लेखनीय जानकारी ट्रेलर रिलीज की तारीख थी। निर्देशक नाग अश्विन ने खुलासा किया कि कल्कि 2898 एडी का ट्रेलर 1 अप्रैल, 2024 को रिलीज होगा। यह सिनेमाई चमत्कार की एक झलक का बेसब्री से इंतजार कर रहे उत्साही लोगों के लिए एक बहुप्रतीक्षित क्षण था। स्टार वार्स की तुलना को संबोधित करते हुए, एक छात्र ने सवाल पूछा, क्या फिल्म भारत की स्टार वार्स होगी? क्या आप इसके चारों ओर एक संपूर्ण ब्रह्मांड बनाने की योजना बना रहे हैं? नाग अश्विन ने दृढ़ता से कहा, मुझे ऐसा नहीं लगता...यह भारत का प्रोजेक्ट के है, भारत की कल्कि है। यह एक फिल्म है, और मुझे लगता है कि यह काफी है। किसी फ्रेंचाइजी को खारिज करने के बावजूद, नाग अश्विन ने संभावित सीक्वल के बारे में प्रशंसकों के सिद्धांतों को प्रोत्साहित किया। इस दौरान फिल्म के हथियारों पर भी चर्चा हुई, जो कि टीजर रिलीज होने के बाद काफी चर्चा का विषय रही। नाग अश्विन ने संदर्भ बिंदु के बिना अद्वितीय हथियार तैयार करने में टीम के सामने आने वाली चुनौतियों पर प्रकाश डाला। निर्देशक ने कहा, हमारे पास कोई संदर्भ बिंदु नहीं था, इसलिए जब सभी प्रॉप्स की बात आती है तो यह हमारे लिए परीक्षण और त्रुटि के बारे में था। इसके अलावा, निर्देशक ने साइंस-फाई फिल्म और पौराणिक कथाओं के बीच एक आश्चर्यजनक संबंध का खुलासा किया। कल्कि नाम की पसंद के बारे में बताते हुए, नाग अश्विन ने खुलासा किया, कल्कि विष्णु का अंतिम अवतार हैं। भविष्य में सेट होने के बावजूद, फिल्म का अतीत से एक संबंध है जो फिल्म में सामने आएगा। एक साइंस-फाई असाधारण फिल्म होने के बावजूद, कल्कि 2898 एडी एक अद्वितीय सिनेमाई अनुभव का वादा करते हुए पौराणिक कथाओं के साथ गहरा संबंध तलाशने के लिए तैयार है। फिल्म में दीपिका पादुकोण, अमिताभ बचन, कमल हासन और दिशा पटानी सहित कई कलाकार शामिल हैं। शूटिंग जारी होने के साथ, कल्कि 2898 एडी के अगले वर्ष स्क्रीन पर रिलीज होने की उम्मीद है।

प्रभास की अगली फिल्म का एलान, निर्देशक मारुति संग मिलाया हाथ

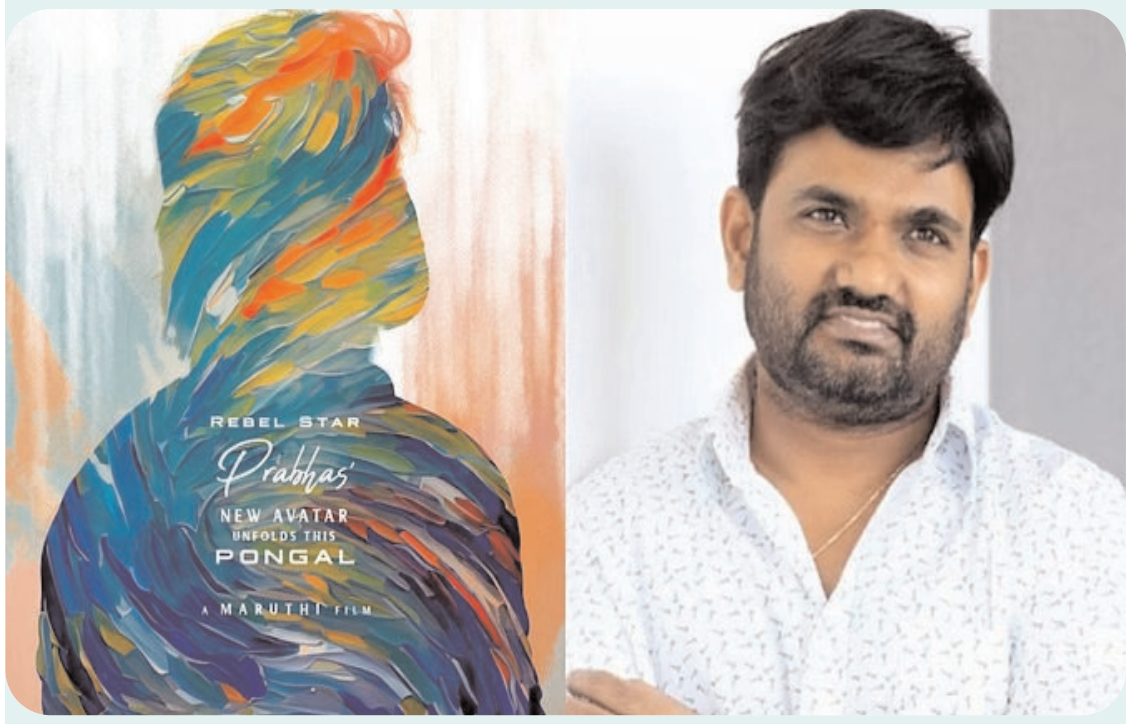

प्रभास अभिनीत फिल्म सलार- पार्ट 1-सीजफायर बॉक्स ऑफिस पर बेहतरीन प्रदर्शन कर रही है। मूवी को समीक्षकों समेत दर्शकों से भी सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। फिल्म ने अब तक विश्वस्तर पर 500 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। अब प्रभास अपने अगले प्रोजेक्ट पर आगे बढ़ चुके हैं। अभिनेता फिल्म के लिए निर्देशक मारुति के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। फिल्म का एक कॉन्सेप्ट पोस्टर, जिसका शीर्षक जारी कर दिया गया है। पोस्टर देखकर फैंस का उत्साह सातवें आसमान पर पहुंच गया है।

प्रभास की आगामी फिल्म

कॉन्सेप्ट पोस्टर शुक्रवार को जारी किया गया, जिसका शीर्षक राजा डीलक्स बताया जा रहा है। पोस्टर से यह भी पता चला कि पोंगल पर प्रभास का नया अवतार सामने आएगा। एक्स पर, निर्देशक मारुति ने लिखा, उत्साहित हूं! लंबे समय से इस पल का इंतजार कर रहा था। रिबेल स्टार प्रभास को बिल्कुल नए अवतार में पेश करते हुए खुशी हो रही है। पोंगल के लिए आप सभी से मुलाकात होगी।

पोस्टर में दिखा रंगीन अंदाज

पोस्टर को देखकर ऐसा लग रहा है कि प्रभास सलार के मोनोक्रोम पैलेट को छोड़ रहे हैं। प्रशांत नील निर्देशित फिल्म के विपरीत, आगामी फिल्म का पोस्टर उतना ही रंगीन है जितना हो सकता है। ऐसा लगता है कि रिबेल स्टार इस फिल्म के साथ सभी हिंसा से ब्रेक ले रहे हैं। मारुति को पक्का कमर्शियल, प्रेमा कथा चित्रम और भले भले मगदिवॉय जैसी व्यावसायिक हिट फिल्मों के लिए जाना जाता है। अब देखना यह होगा कि धड़ाधड़ कमर्शियल फिल्में बनाने वाले निर्देशक सरहदों से आगे निकल चुके प्रभास के साथ क्या नया लाएंगे।

प्रभास का वर्कफ्रंट

इस बीच, प्रभास नाग अश्विन द्वारा निर्देशित कल्कि एडी2898 पर भी काम कर रहे हैं। इस विज्ञान-फाई उद्यम ने भारतीय सिनेमा की कुछ सबसे बड़ी प्रतिभाओं को एक साथ लाया है, जिनमें दीपिका पादुकोण, अमिताभ बचन और कमल हासन शामिल हैं।

इस साल ओटीटी पर रहा इन अभिनेत्रियों का जलवा

दमदार अदाकारी से किरदार में भी फूंकी जान

यह साल यानी 2023 अलविदा कहने वाला है और इसी के साथ नए साल 2024 का आगमन होगा। इस साल बड़े पर्दे पर कई धमाकेदार फिल्में रिलीज हुईं, जिसके जरिए कई सितारों ने अपनी लोकप्रियता हासिल की। हालांकि, इस साल सिनेमाघरों की तरह ओटीटी पर भी फिल्मों और वेब सीरीज ने धमाल मचाया। इस साल ओटीटी पर कई ऐसी वेब सीरीज और फिल्में आईं, जिनकी जिम्मेदारी महिलाओं किरदारों के कंधों पर थी। महिला किरदारों को निभाने वाले कलाकारों ने अपने शानदार अभिनय से दम पर दर्शकों का दिल जीता। उन्होंने फिल्म या सीरीज को कमजोर नहीं पड़ने दिया। चलिए आज हम आपको बताते हैं कि इस साल ओटीटी पर किन महिला किरदारों का जलवा रहा...

करिश्मा तन्ना- *करिश्मा तन्ना ने स्कूप से इस साल फैंस का दिल जीता। हंसल मेहता द्वारा निर्देशित यह फिल्म एक पत्रकार पर केंद्रित है, जिसकी जिंदगी झूठे हत्या के आरोप में फंसने के बाद 360 डिग्री बदल जाती है। करिश्मा को उनकी अदाकारी के लिए खूब सराहा गया। सीरीज में करिश्मा तन्ना, मोहम्मद जीशान अय्यूब, हरमन बावेजा, इनायत सूद, तन्मय धनानिया और तनिष्ठा चटर्जी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।*

करीना कपूर- *करीना कपूर ने भी इस साल ओटीटी पर धूम मचाई। बॉलीवुड आइकन करीना कपूर ने जाने जां के साथ ओटीटी क्षेत्र में शानदार शुरुआत की। उनके सूक्ष्म प्रदर्शन ने चरित्र में गहराई जोड़ दी। इस सीरीज के जरिए उनकी अदाकारी का एक अलग रूप देखने को मिला। करीना कपूर की यह फिल्म एक अकेली मां और उसकी बेटी पर केंद्रित है, जो आत्मरक्षा में अपराध करती है। फिर मां पुलिस जांच के बीच एक पड़ोसी की मदद से इसे छिपाने की कोशिश करती है।*

इन सितारों की प्रेम कहानी पर काल पड़ा भारी

माना जाता है कि प्यार दुनिया का सबसे खूबसूरत एहसास होता है। जब प्यार होता है तो सबकुछ अच्छा लगता है। सचा प्यार काफी नसीबवालों को मिलता है। हमारे टीवी इंडस्ट्री में ऐसे कई कलाकार हैं, जिन्हें जिंदगी में सचा प्यार मिला है। हालांकि कई ऐसे भी सेलेब्स हैं, जिनका इश्क मुकम्मल नहीं हो पाया। इन सितारों ने अपनी जिंदगी में सबकुछ हासिल कर लिया लेकिन इनकी मोहब्बत अधूरी रह गई। आज हम आपको इस खास लेख में उन सितारों के बारे में बताएंगे,

सिद्धार्थ शुक्ला-शहनाज गिल

बिग बॉस 13 के विजेता सिद्धार्थ शुक्ला और शहनाज गिल की लव स्टोरी के बारे में आप सभी लोग जानते हैं। दोनों की पहली मुलाकात सलमान खान के रियलिटी शो में ही हुई थी। इसके बाद सिद्धार्थ और शहनाज के बीच प्यार पनपने लगा। हालांकि, किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। हार्ट अटैक की वजह से सिद्धार्थ शुक्ला की मौत हो गई, और वे हमेशा-हमेशा के लिए शहनाज गिल को छोड़कर चले गए।

दिव्या भारती- साजिद नाडियाडवाला

दिव्या भारती और साजिद नाडियाडवाला की पहली मुलाकात फिल्म शोला और शबनम के सेट पर हुई थी। इस मूवी में दिव्या, गोविंदा के अपोजिट थीं। साजिद के लिए यह पहली नजर का प्यार था। साजिद अक्सर दिव्या को देखने के बहाने से सेट पर पहुंचा करते थे फिर धीरे-धीरे दोनों की बात बढ़ी और आगे चलकर इन्हें एक-दूजे के लिए प्यार का एहसास हुआ। महज 18 की बाली उम्र में ही दिव्या ने फिल्ममेकर साजिद नाडियाडवाला से शादी कर ली। हालांकि, शादी के 11 महीने के भीतर ही अभिनेत्री ने दुनिया को अलविदा कह दिया, और इससे साजिद को तगड़ा झटका लगा था।

सुशांत सिंह राजपूत-रिया चक्रवर्ती

इस लिस्ट में सुशांत सिंह राजपूत और अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती का नाम भी शामिल है। रिपोर्ट्स की मानें तो, दोनों ने एक दूसरे को डेट किया था। इस बात का खुलासा सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद हुआ था। सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद रिया चक्रवर्ती बिखर गई थीं। साथ ही अदाकारा को काफी मुश्किलों का भी सामना करना पड़ा था। टीवी अदाकारा प्रत्युषा बनर्जी ने राहुल राज को डेट किया था। दोनों एक दूसरे पर अपनी जान छिड़कते थे।

पार्टनर ने दुनिया को अलविदा कहकर दिया सदमा

सिंगल कॉलम

नए साल में सांची का जनता को तोहफा, घी के भाव में की इतनी कमी

इंदौर। *नए साल में आम जनता को बड़ी राहत मिलने वाली है। सांची ने नए साल से घी की कीमतों में ?40 प्रतिकिलो की कटौती करने का ऐलान कर दिया है, जिसका लाभ सीधा आम जनता को मिलने वाला है। इस बारे में जानकारी देते हुए इंदौर सहकारी दुग्ध संघ के अध्यक्ष मोतीसिंह पटेल ने बताया कि नए साल के अवसर पर दुग्ध संघ द्वारा दुग्ध समितियों के दुग्ध उत्पादक किसानों एवं उपभोक्ताओं को राहत दी है। जिसके चलते सांची घी के विक्रय भाव में 40 रुपये प्रतिकिलो/लीटर की कमी की गई है। बता दें कि, सांची के बाजार से दूध से निर्मित होने वाले कई प्रोडक्ट मौजूद है जिसमें सबसे ज्यादा उपयोग होने वाला दूध और घी है ऐसे में इनकी कीमतों में अवतार चढ़ा सीधा आम जनता की जेब पर असर डालता है, ऐसे में घी की कीमत में ?40 की कटौती होना आम जनता के लिए बड़ा लाभ है।*

आठ बुनियादी उद्योगों का उत्पादन नवंबर में 7.8 फीसदी की दर से बढ़ा

नई दिल्ली। *देश के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों का उत्पादन नवंबर महीने में सालाना आधार पर 7.8 फीसदी की दर से बढ़ा है। पिछले साल इसी अवधि में यह दर 5.7 फीसदी थी। इसी साल अक्टूबर महीने में यह दर 12.1 फीसदी रही थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी आंकड़ों में बताया कि नवंबर महीने में देश के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों का उत्पादन सालाना आधार पर 7.8 फीसदी की दर से बढ़ा है। इसी साल अक्टूबर महीने में यह दर 12.1 फीसदी रही थी। मंत्रालय के मुताबिक अक्टूबर में आठ बुनियादी उद्योगों में शामिल कच्चे तेल और सीमेंट को छोड़कर सभी क्षेत्रों के उत्पादन में अच्छी वृद्धि हुई। कोयला और रिफाइनरी उत्पादों के उत्पादन में दोहरे अंक की वृद्धि दर्ज की गई है। मंत्रालय के मुताबिक चालू वित्त वर्ष 2023-24 के पहले आठ महीनों (अप्रैल-नवंबर) के दौरान प्रमुख ढांचागत क्षेत्रों का उत्पादन 8.6 फीसदी बढ़ा है, जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह आंकड़ा 8.1 फीसदी था।*

भारतीय अमीरों के पैसों में कम हुई अंतर्राष्ट्रीय बैंकों की रूचि, कई ने बंद किए खाते

नई दिल्ली इंटरनेशनल बैंकों को अब भारतीय अमीरों के पैसे पसंद नहीं आ रहे हैं. आरबीआई के नए नियमों ने भारतीय अमीरों को बहुत ज्यादा पैसा विदेश भेजने पर शिकंजा कसा है. इसके चलते कभी भारतीय पैसों से भरे रहने वाले बैंकों को अब कम संख्या में आ रही रकम भा नहीं रही है. हाल ही में ब्रिटेन के दो बैंकों, एक स्विस और एक यूएई के बैंक ने लगभग दो दर्जन भारतीयों से अपने अकाउंट बंद करने का आग्रह किया है।

विदेशी बैंकों की भारतीय पैसों में रुचि हुई कम केंद्रीय बैंक आरबीआई की एलआरएस ने विदेशी बैंकों की भारतीय पैसों में रुचि कम कर दी है. इसलिए बड़े बैंक अब भारतीय रईसों के खातों से दूरी बना रहे हैं. आरबीआई ने विदेशों में बिना किसी वजह के फंड रखने पर शिकंजा कैसा है. इसके चलते

विदेशी बैंकों को लाभ नहीं हो पा रहा है. ये इंटरनेशनल बैंक विदेशी क्लाइंट्स से ज्यादा मिनिमम बैलेंस रखवाते हैं. मगर, भारतीय क्लाइंट अब ऐसा नहीं कर पा रहे हैं. इसलिए कई बड़े बैंक उनके खाते बंद कर रहे हैं।

2 महीने में लगभग दो दर्जन भारतीयों के खाते बंद- इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले 2 महीने में लगभग दो दर्जन भारतीयों के खाते बंद कर दिए गए हैं. यह जानकारी इन अमीरों को टैक्स सलाह एवं सेवा प्रदाताओं ने दी है. आरबीआई की एलआरएस के तहत भारतीय एक साल में 2.5 लाख डॉलर विदेश में भेज सकते हैं. इन पैसों का इस्तेमाल स्टॉक या प्रॉपर्टी खरीदने और परिजनों की देखभाल में किया जा सकता है।

कई विदेशी बैंक में मिनिमम बैलेंस 10 लाख डॉलर- उधर, कई विदेशी बैंक में मिनिमम बैलेंस 10 लाख डॉलर कर दिया गया है. इसलिए अब ये बैंक भारतीयों का पैसा रखने में सकुचाने लगे हैं. विदेशी बैंक इस मिनिमम बैलेंस का इस्तेमाल स्टॉक समेत कई जगह निवेश कर पैसा कमाते हैं. मगर, आरबीआई की नई स्कीम के चलते अब भारतीयों का पैसा विदेशी बैंक निवेश नहीं कर पा रहे हैं और उन्हें आय नहीं हो पा रही है।

पैसे भेजकर प्रॉपर्टी खरीद रहे इंडियन- भारतीयों ने इन बैंकों में एलआरएस के तहत भेजे पैसे से ज्यादातर प्रॉपर्टी खरीदी है साथ ही यह पैसा परिजनों को दिया है. इसलिए इन विदेशी बैंकों ने भारतीयों को कोई अन्य अकाउंट बताने को कहा है जिसमें बकाया पैसा भेज दिया जाए और अकाउंट बंद हो सके. इस संबंध में खाताधारकों को ई-मेल भेजे हैं. आरबीआई के नए नियमों के मुताबिक, यदि विदेशी अकाउंट में पैसा 180 से पड़ा है तो उसे वापस लाना होगा. सिंगापुर बैंक ने भी अपने कस्टमर्स से ऐसी ही अपील की है. विदेशी बैंक लो बैलेंस वाले अकाउंट का परिचालन नहीं करना चाहते।

एआईसीटीई ने कहा- 10 दिन का एमबीए क्रैश कोर्स मान्य नहीं, सिर्फ दो वर्षीय डिग्री को ही मंजूरी

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) ने कहा कि 10 दिन का कोई एमबीए क्रैश कोर्स शुरू नहीं किया गया है ना ही ऐसे किसी कोर्स को मान्यता नहीं दी है। एआईसीटीई ने छात्रों को ऐसे किसी कोर्स में दाखिला नहीं लेने और उच्च शिक्षण संस्थानों को ऐसे कोर्स की पढ़ाई शुरू ना कराने की चेतावनी दी। एआईसीटीई ने तकनीकी शिक्षा के तहत दो वर्षीय एमबीए प्रोग्राम को ही मान्यता दी है। एआईसीटीई के उपाध्यक्ष प्रोफेसर अभय जेरे की ओर से जारी जन सूचना में कहा गया है कि कुछ मोटिवेशनल स्पीकर और इनफ्लुएंसर की ओर से 10 दिन का एमबीए क्रैश कोर्स ऑफर किया जा रहा है। जबकि एमबीए प्रोग्राम की पढ़ाई और पाठ्यक्रम को मंजूरी देनी वाली संस्था एआईसीटीई ने इस प्रकार के किसी कोर्स को मंजूरी नहीं दी है। इसलिए छात्रों से आग्रह है कि वे ऐसे किसी कोर्स में दाखिला न लें, क्योंकि यह मान्य नहीं है। एमबीए क्रेश कोर्स छात्रों को धोखा देने जैसा... प्रोफेसर जेरे ने लिखा, सुप्रीम कोर्ट ने भी अपने आदेश में कहा है कि एआईसीटीई की मान्यता के बगैर कोई भी तकनीकी उच्च शिक्षण संस्थान मैनेजमेंट और एमबीए प्रोग्राम शुरू नहीं कर सकता है। एमबीए का कोई भी डिग्री प्रोग्राम और कोर्स 10 दिन में पूरा नहीं हो सकता है।

एनटीए ने जारी की पीएचडी प्रवेश परीक्षा की अंतिम उत्तर कुंजी, 24 प्रश्न हटाए गए

राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी ने दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू), जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू), बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) और बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू) के लिए आयोजित हुई पीएचडी प्रवेश परीक्षा की अंतिम उत्तर कुंजी जारी कर दी है। एनटीए पीएचडी प्रवेश परीक्षा परिणाम 24 नवंबर को घोषित किया गया था। परीक्षा में शामिल हुए उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट - nta.ac.in पर जाकर उत्तर कुंजी डाउनलोड कर सकते हैं। परीक्षा के लिए कुल 50,971 उम्मीदवारों ने पंजीकरण कराया था, जिनमें से 35,896 उपस्थित हुए थे। परीक्षण एजेंसी ने 26, 27, 30 और 31 अक्तूबर को 114 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा आयोजित की थी। अनंतिम उत्तर कुंजी पिछले महीने जारी की गई थी और उम्मीदवारों को 10 नवंबर तक उत्तर कुंजी को चुनौती देने की अनुमति दी गई थी। 24 प्रश्न हटाए गए एनटीए को 320 उत्तर कुंजी चुनौतियां प्राप्त हुईं, जिनमें से 221 अद्वितीय चुनौतियां थीं। अंतिम उत्तर कुंजी और परिणामों की घोषणा तैयार करने के लिए विषय विशेषज्ञों द्वारा एनटीए पीएचडी उत्तर कुंजी की समीक्षा की गई। एनटीए ने पीएचडी प्रवेश परीक्षा की विषयवार अंतिम उत्तर कुंजी प्रकाशित की है। कुल 24 प्रश्न हटाये गये हैं। एनटीए पीएचडी अंतिम उत्तर कुंजी कैसे डाउनलोड करें डीयू, जेएनयू, बीएचयू और बीबीएयू में प्रवेश के लिए आयोजित एनटीए पीएचडी प्रवेश परीक्षा में प्राप्त परिणामों और अंकों की जांच करने के लिए उम्मीदवारों को नीचे दिए गए चरणों का पालन करके उत्तर कुंजी डाउनलोड करनी होगी।

जाने इंटरनेशनल मैच से लेकर आईपीएल तक क्या हुए बदलाव

साल 2023 में बदले गए क्रिकेट के कुछ नियम

साल 2023 अब खत्म होने को है. इस साल क्रिकेट में कई बड़े टूर्नामेंट्स ने फैंस को भरपूर रोमांच दिया. वर्ल्ड कप एशिया कप से लेकर इंडियन प्रीमियर लीग तक कई लीग और टूर्नामेंट्स में भरपूर मनोरंजन मिला. इसके साथ ही क्रिकेट को की नए नियम भी मिले. चाहे वह इंटरनेशनल क्रिकेट हो या आईपीएल. आइए आपको बताते हैं, क्रिकेट से जुड़े या बदले गए कुछ नियमों के बारे में दुनिया की सबसे चर्चित क्रिकेट लीग आईपीएल में 2023 के दौरान एक नया नियम लागू हुआ. इस नियम की बात करें तो टीम 11 की जगह 12 खिलाड़ियों के साथ खेल सकती है. बीच मैच में किसी भी खिलाड़ी को इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर मैदान में खेलने का मौका दिया जा सकता है. हालांकि, टॉस के समय दोनों ही टीमों को 4 सब्स्टीट्यूट प्लेयर्स का नाम देना होता है. यह नियम इंटरनेशनल मैचों में लागू नहीं हुआ है. सुपर ओवर नियम टी20 क्रिकेट के जैसा ही सुपर ओवर नियम वनडे क्रिकेट में लागू हुआ. इसके तहत मैच टाई होने पर दोनों टीमें सुपर ओवर खेलेंगी और यह तब तक चलता रहेगा जब तक मुकाबले का परिणाम नहीं आता है. आईसीसी ने साल के अंत में एक नया नियम लागू करने का ऐलान किया. अब गेंदबाजों के लिए भी टाइम आउट नियम बना दिया गया है. इस नियम के तहत एक ओवर खत्म होने और दूसरे ओवर के शुरू होने में 60 सेकंड से ज्यादा समय होने पर दो बार अंपायर चेतावनी देंगे. तीसरी बार देरी होने पर गेंदबाजी टीम पर पेनल्?टी के रूप में बल्?लेबाजी टीम के खाते में पांच एक्स्ट्रा रन जोड़ दिए जाएंगे. यह नियम हाल ही में हुई इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के बीच टी20 सीरीज में टेस्टिंग के रूप में लागू हुआ. सॉफ्ट सिग्नल नियम इस साल एक और नियम बदला वो था सॉफ्ट सिग्नल. ICC ने मैदान पर मौजूदा अंपायर द्वारा थर्ड अंपायर को दिए जाने वाले सॉफ्ट सिग्नल को खत्म कर दिया गया है. पहले नियम था कि खिलाड़ी आउट या नॉटआउट है अगर इसका फैसला मैदानी अंपायर नहीं कर पाते थे तो वह तीसरे अंपायर की मदद लेते थे. हालांकि, इसके लिए मैदानी अंपायर को एक सॉफ्ट सिग्नल थर्ड अंपायर को देना होता था. अब फील्ड अंपायर को सॉफ्ट सिग्नल नहीं देते. सीधे फैसला थर्ड अंपायर लेता है. 2024 में बदलाव होंगे या नहीं?

देखने वाली बात यह होगी कि क्रिकेट के रोमांच को और बढ़ाने के लिए आगामी साल 2024 में भी क्या कुछ बदलाव देने को मिलते हैं या नहीं.

क्या सीरीज बचाने के लिए धोनी से सीख ले पाएंगे रोहित

नई दिल्ली । टीम इंडिया ने करीब 13 साल पहले 2010-11 में साउथ अफ्रीका के खलिाफ, साउथ अफ्रीका जाकर सबसे शानदार प्रदर्शन टेस्ट फॉर्मेट में किया था. तब टीम इंडिया ने सीरीज 1-1 से बराबरी की थी. क्या इस बार टीम इंडिया ऐसा कर पाएगी. भारतीय टीम आज तक साउथ अफ्रीका की धरती पर टेस्ट सीरीज नहीं जीत सकी है. टीम इंडिया को सेंचुरयिन में खेले गए पहले टेस्ट में करारी शकिस्त झेलनी पड़ी. वहां रोहित ब्रिगेड को पारी और 32 रनों से शर्मनाक हार मिली. भारतीय टीम ने इस टेस्ट मैच के तीसरे ही दिन (28 दिसंबर 2023) सरेंडर कर दिया. दो टेस्ट मैचों की सीरीज का यह पहला मुकाबला था. अब टीम इंडिया 3 जनवरी को केपटाउन में दूसरे टेस्ट मैच में खेलने उतरेगी. अब तक तीन दशक से ज्यादा के इतहिास में भारतीय टीम साउथ अफ्रीका की धरती पर एक भी टेस्ट सीरीज नहीं जीत पाई है. टीम इंडिया का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन टेस्ट मैच में 2010-2011 की सीरीज में आया था. तब तीन मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर पर रही थी. महेंद्र सिंह धोनी उस दौरे पर टीम इंडिया के कप्तान थे. इस सीरीज का पहला मैच साउथ अफ्रीकी टीम ने जीता था. 16-20 दिसंबर 2010 के बीच हुए पहले टेस्ट में साउथ अफ्रीका ने पारी और 25 रनों से टीम इंडिया को हराया था. टीम इंडिया उस मैच में पहली पारी में 136 रनों पर आउट हो गई थी, फरि अफ्रीकी टीम ने पहली पारी में 620/4 का पहाड़नुमा स्कोर बनाकर घोषति किया था. इसके बाद दूसरी पारी में टीम इंडिया 459 रनों पर ऑलआउट हो गई. फरि टीम इंडिया सीरीज का दूसरा मैच खेलने के लिए डरबन पहुंची. 26 दिसंबर (बॉक्सगि डे) को दूसरा टेस्ट मैच शुरू हुआ. अफ्रीकी कप्तान ग्रीम स्मथि ने टॉस जीता और टीम इंडिया को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया. टीम इंडिया पहली पारी में 205 रनों पर ऑलआउट हो गई. डेल स्टेन ने 6 विकेट झटके थे. जवाब में खेलने उतरी अफ्रीकी टीम 131 रनों पर सिमट गई. जहीर खान (3), ईशांत शर्मा (1), एस श्रीसंत (3), हरभजन सिंह (2) ने मिलकर अफ्रीकी टीम पर भारी पड़ गए. इसके बाद अब बारी फिर से टीम इंडिया की दूसरी पारी में खेलने की थी, तब वीरेंद्र सहवाग (32) और मुरली विजय (9) ने 42 रनों की साझेदारी की. लेकिन इसके बाद टीम इंडिया के एक के बाद एक विकेट गिरने शुरू हो गए. लेकिन वीवीएस लक्ष्मण ने पहली पारी में 96 रन बनाए और टीम इंडिया की पारी 228 रनों पर समाप्त हुई. 2006 में डरबन टेस्ट मैच जीतने के बाद सचनि तेंदुलकर और हरभजन सहि अब साउथ अफ्रीका के सामने अब 303 रनों का टारगेट था. अफ्रीकी टीम की ओर से कप्तान ग्रीम स्मथि (37) और एल्वरिो प्रिंस (26) ने 12.1 ओवर्स में 63 रन बना दिए. टीम इंडिया की टेंशन मैच में बढ़ती जा रही थी. इस स्कोर पर पर श्रीसंत ने धोनी के हाथों कैच आउट करवाया. इसके बाद नियमति अंतराल पर अफ्रीकी टीम के विकेट गिरते रहे और टीम इंडिया ने अफ्रीकी टीम को 215 रनों पर ऑलआउट कर दिया. इस तरह टीम इंडिया ने यह मैच 87 रनों से जीता. इस तरह तब टीम इंडिया ने तब सीरीज 1-1 से बराबर की थी. सीरीज का आखरिी मैच केपटाउन (2-6 जनवरी 2011) में हुआ, जो ड्रॉ पर छूटा. यानी करीब 13 साल बाद एक बार फिर से टीम इंडिया के पास यह सीरीज 1-1 से बराबर करने का मौका है. ऐसे में देखना होगा कि क्या रोहित शर्मा, तब के कप्तान रहे महेंद्र सिंह धोनी के कारनामे की बराबरी कर पाते हैं या नहीं. 1992 में पहली बार टीम इंडिया ने अफ्रीका के खलिाफ अफ्रीका में खेला टेस्ट 1992 में टीम इंडिया ने पहली बार साउथ अफ्रीका की सरजमीं पर पहला टेस्ट मैच खेला. उस सीरीज में कुल 4 टेस्ट मैच खेले गए, 3 मैच ड्रॉ रहे, 1 मैच अफ्रीकी टीम ने जीता. सीरीज 1-0 से अफ्रीकी टीम के नाम रही. कुल मिलाकर तब से टीम इंडिया 8 बार साउथ अफ्रीका दौरा कर चुकी है. लेकिन कभी भी भी टीम इंडिया को साउथ अफ्रीका में टेस्ट सीरीज फतेह करने का मौका नहीं मिला है. टीम इंडिया के साउथ अफ्रीका दौरे पर टेस्ट रिकॉर्ड की बात की जाए तो पहली जीत दिसंबर 2006 में जोहानसिबर्ग में आई थी. 2010-11 में टीम इंडिया ने पहली बार अफ्रीका में जाकर 1-1 से सीरीज बराबर की, यानी टीम इंडिया का यही सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है. टीम इंडिया 8 बार साउथ अफ्रीका में जाकर टेस्ट सीरीज खेल चुकी है. लेकिन अब तक कोई भी सीरीज नहीं जीती है. वहीं टीम इंडिया अपनी सरजमीं पर चार बार साउथ अफ्रीका से टेस्ट सीरीज जीती है. साउथ अफ्रीका एकमात्र बार भारत की सरजमीं पर टेस्ट सीरीज 1999-2000 में 2-0 से जीती थी.

गुना मामले में एक्शन में सरकार 4 सदस्यीय टीम

गठित हटाए गए परिवहन आयुक्त एसपी और कलेक्टर

भोपाल । गुना में हुए हादसे में 13 लोगों की मौत होने के मामले में राज्य सरकार ने बड़ा एक्शन लिया है. सीएम ने मामले की जांच के लिए 4 सदस्यीय समिति का गठन किया गया है जो गंभीरता से जांच कर घटना की रिपोर्ट सौंपेगी वहीं परिवहन आयुक्त संजय कुमार झा को हटा दिया है इसके अलावा गुना कलेक्टर तरुण राठी, पुलिस अधीक्षक विजय कुमार खत्री को भी तत्काल प्रभाव से हटा दिया गया है वहीं गुना आरटीओ रवि बरेलिया और सीएमओ बीडी कतरोलिया को भी निलंबित कर दिया गया है. परिवहन आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजेश राजेश को सौंपा गया है घटना को लेकर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कड़ी नाराजगी जताई है. उन्होंने कहा है कि घटना के लिए जिम्मेदार को छोड़ा नहीं जाएगा जिस बस में हादसा उसका न बीमान फिटनेस- गुना से आरोन जा रही बस की डंपर से टक्कर में आग लग गई थी. इस दर्दनाक हादसे में 13 लोगों की जानें चली गई. घटना के बाद सामने आया कि जो बस में हादसा हुआ, वह 15 साल पुरानी थी. उस बस का फिटनेस सर्टिफिकेट नहीं था और न ही बीमा था. सवाल उठ रहा है कि आखिर बिना फिटनेस और बीमा के आखिर बस सड़क पर कैसे दौड़ रही थी. कांग्रेस मीडिया प्रभारी केके मिश्रा ने घटना के बाद इसको लेकर सवाल खड़े किए थे. केके मिश्रा ने सोशल मीडिया ङ्क्ष पर लिखा कि प्रदेश में बिना फिटनेस, बिना पंजीयन के सरपट वाहनों की दौड़ स्पर्धा, नशा कर वाहन चालन और बोरिंग करने के बाद उसके होल खुले छोड़ देना एक सामाजिक धर्म बन चुका है. जिम्मेदारों को कानून का भय नहीं है. मुख्यमंत्री बैठक छोड़ पहुंचे थे गुना- उधर हादसे की सूचना मिलते ही मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सुबह कृषि विभाग की समीक्षा बैठक टालकर गुना पहुंचे. उन्होंने घायलों का हाल जाना और घटना की जांच के आदेश दिए. उधर मुख्यमंत्री के आदेश के बाद प्रदेश भर में बसों की जांच को लेकर अभियान शुरू हो गया. इस दर्दनाक घटना को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी संवेदन जताई है. 4 सदस्यीय टीम गठित- इसके साथ ही गुना बस हादसे की निष्पक्ष जांच के लिए सीएम ने 4 सदस्यीय कमेटी का गठन किया है. जांच कमेटी दुर्घटना के कारणों, बस और डंपर की विभिन्न प्रकार की अनुमतियां आदि की जांच, आग लगने के कारण एवं उत्तरदायी विभागों की जांच समेत विभिन्न पहलुओं पर 3 दिन में अपनी रिपोर्ट गुना कलेक्टर को सौंपेगी.

उपार्जन केंद्र विलायतकलां में शिकायत पर औचक निरीक्षण करने तहसीलदार पहुँची

विलायतकलां उपार्जन केंद्र जाकर सम्बंधित उपार्जन केंद्र की जांच करने पहुँची जहां ढेर सारी अनियमितताओं का अंबार मिला , कही बिना धान के तौल कराए धान का भंडारण, कही किसानों के धान में टेग न लगा होना तो कही खराब किस्म के धान का पाना बताया तहसीलदार ने। तमाम अनियमित्तताओ पर तहसीलदार अनुराधा सिंह ने सख्त लहजे में केंद्र प्रभारी को नसीहत दिया और निर्देशित किया तमाम गलतियों को शीघ्रता पूर्वक सुधार करे और अन्य किसानों के शिकायत की जाँच में लेने और कार्यवाही करने की बात कही। आपको बता दे कि सरकार के उद्देश्यों को उपार्जन केंद्रों के प्रभारी द्वारा मखौल उड़ाया जा रहा है कही तौल के बदले पैसे तो कही पोर्टल में खरीदी हुई धान की पर्ची को चढ़वाने के नाम पर रुपयों की माँग तक कि जाती है।

युवक ने खुद को रिवाल्वर से मारी गोली

कटनी, कटनी जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र तिलक राष्ट्रीय स्कूल महात्मा गांधी वार्ड निवासी एक युवक ने आपने घर में बने बाथरूम में एक पिस्टल से आपने सीने पर बंदूक से फायर कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली मृतक युवक का नाम विक्की उर्फ विकास छिपेल है। मृतक के परिजनों ने बताया की कल देर रात्रि मृतक विकास छिपेल घर पहुंचा और पूरे परिवार के साथ देर रात्रि तक बैठा हुआ था लेकिन देर रात्रि वह घर में बने बाथरूम में गया और वहा से उन्हें बंदूक चलने की आवाज आई जिस आवाज का सुन पूरा परिवार बाथरूम की ओर भागा लेकिन बाथरूम का दरवाजा अंदर से बंद था जिसे तोड़ कर देखा तो मृतक विकास खून से लतपत पड़ा हुआ था और पास में एक पिस्टल पड़ी हुई थी। जिसके बाद तुरंत ही परिजनों ने कोतवाली थाने की पुलिस को सूचना दी सूचना मिलते ही मौके पर पहुंच पुलिस ने पंचनामा कार्यवाही करते हुए शव को पीएम के लिए जिला अस्पताल के पोटमार्टम ग्रह में रखवा दिया है..कोतवाली थाना प्रभारी आशीष कुमार शर्मा ने बताया की पूरे मामले की जांच उपरांत पता चला है की प्रेम प्रसंग के चलते विकास ने इस तरह का कदम उठाया है। वही बंदूक की पिस्टल मृतक युवक ने कहा से लाई इसकी जांच की जा रही है।

थाना सिविल लाइन पुलिस ने पीड़ित को बंधक बनाकर मारपीट करने वाले पांच आरोपियों को 12 घंटे के अंदर किया

छतरपुर, फरियादी पीड़ित उम्र 25 साल निवासी ग्राम गठेवरा थाना सिविल लाइन द्वारा थाना आकर रिपोर्ट की गई की गांव के कुछ व्यक्तियों द्वारा गाली देते हुए फार्म हाउस ले जाकर बंधक बनाकर मारपीट की है। रिपोर्ट पर थाना सिविल लाइन में अपराध क्रमांक 924/23 धारा 147, 148, 149, 294, 323, 365, 506 पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पुलिस अधीक्षक छतरपुर श्री अमित सांघी के संज्ञान में आते ही घटना की गंभीरता को देखते हुए थाना सिविल लाइन प्रभारी निरीक्षक कमलेश साहू को आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार करने हेतु निर्देशित किया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री विक्रम सिंह एवं नगर पुलिस अधीक्षक श्री अमन मिश्रा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सिविल लाइन निरीक्षक कमलेश साहू के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा सभी आरोपियों से संबंधित स्थान में दबिश दी गई। पुलिस टीम द्वारा पांचो आरोपी जो ग्राम गठेवरा थाना सिविल लाइन छतरपुर के निवासी हैं को प्रथक प्रथक स्थान से गिरफ्तार कर अभिरक्षा में लिया गया। दौरान विवेचना घटना में प्रयुक्त लाठी, डंडा एवं मोटरसाइकिल जप्त कर कब्जे पुलिस लिया गया। विवेचना कार्यवाही जारी है।

श्री राम जन्मभूमि मंदिर अयोध्या से आए अक्षत कलश की नगर अमानगंज में निकली शोभायात्रा

ढोल- नगाड़े और ढोलक-मंजीरा बजाते हुए नाचते गाते दिखे राम भक्त

पन्ना, श्री राम जन्मभूमि मंदिर अयोध्या से आए अक्षत कलश की शोभायात्रा नगर अमानगंज की गली चौराहा से निकली गई जिसमें अमानगंज नगर सहित विभिन्न ग्रामीण क्षेत्र से भारी संख्या में राम भक्त सम्मिलित हुए और जय श्री राम के जयकारे लगाते हुए नजर आए साथ ही ढोल नगाड़ों और ढोलक मंजीरा बजाते हुए नाचते गाते और भगवान श्री राम की भक्ति में तंलीन दिखे। शोभा यात्रा की शुरुआत नगर अमानगंज के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल मां ज्वाला देवी मंदिर प्रांगण में स्थित राम दरबार से प्रारंभ हुई और नया बस स्टैंड, तिवारी मोहल्ला, मटकी चौराहा, आसमानी मोहल्ला, गांधी चौराहा से होते हुए भगत सिंह तिराहा एवं झिरियन मोहल्ला से गुजरते हुए नगर में लगभग समस्त गली चौराहा से गुजररते हुए शोभायात्रा निकली। राम भक्तों द्वारा अक्षत कलश शोभायात्रा का पुष्प वर्षा कर जय श्री राम के जयकारों के साथ स्वागत किया गया।

भाजपा जिला बैठक हुई संपन्न, आगामी कार्यक्रम एवं सरकार योजनाओं के बारे में हुई विस्तार से चर्चा

सरकार की योजनाओं को जरूरतमंदों तक पहुंचाने का कार्य करे कार्यकर्ता - अग्रवाल

शाजापुर. भारतीय जनता पार्टी की जिला बैठक शुक्रवार को मक्सी के उज्जैन रोड स्थित पटेल वेयर हाउस पर भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं शाजापुर जिले के प्रभारी जगदीश अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य में एवम भाजपा जिलाध्यक्ष अशोक नायक की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में सरकार की योजनाओं एवं आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी विजय जोशी ने जानकारी देते हुए बताया की बैठक में सर्वप्रथम भाजपा के पितृपुरूष डा श्यामाप्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण कर बैठक का शुभारंभ किया। बैठक के मुख्य अतिथि जिला प्रभारी जगदीश अग्रवाल ने संबोधित करते हुए कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी वर्गों का ध्यान रखते हुए अनगिनत योजनाओं को धरातल पर उतारा है। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना का लाभ जरूरतमंदों तक पहुंचाने के लिए कार्यकर्ता अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाए।

रादुविवि छात्र का कमाल: बना डाली सूर्य की किरणों से चलने वाली इलेक्ट्रिक साइकिल

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने की छात्र की प्रशंसा, उज्जवल भविष्य की दी शुभकामनाएं

जबलपुर। कहते हैं कि कुछ बड़ा करने के लिए ज्यादा पैसे नहीं बल्कि बड़ी सोच का होना जरूरी है। अगर इरादे बुलंद हैं तो आप सीमित संसाधनों में भी कारनामा कर के दिखा सकते हैं। ये बात सुनी तो आपने कई बार होगी लेकिन इसे हकीकत कर दिखाया है रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के एक छात्र ने जिसने सूर्य की किरणों से चलने वाली इलेक्ट्रिक साइकिल बनाई है जिसे चलाने के लिए आपको चार्ज ही नहीं करना पड़ेगा बल्कि धूप के संपर्क में आने से ये साइकिल खुद ही चार्ज हो जाती है और फिर आप इसे इस्तेमाल कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के डीआईसी इनोवेशन सेंटर में अध्ययनरत् पनागर निवासी अभिषेक मोहन सूर्यवंशी ने अपने हुनर का कमाल दिखाकर मुख्यमंत्री मोहन यादव को भी हैरानी में डाल दिया। क्षेत्र में इस साइकिल की खूब चर्चा हो रही है। अभिषेक अभी रादुविवि में अध्ययनरत् हैं। अभिषेक ने बताया जी उनके विभाग ने उन्हें प्रोजेक्ट दिया गया था जिसमें कुछ इन्नोवेटिव क्रिएशन करना था, जिन्हे सोलर चार्जिंग इलेक्ट्रिक साइकिल में तब्दील करने का ख्याल आया। जिसमें उनके सेंटर के डायरेक्टर सरदूल सिंह संधू और डॉ अतीत जावरे ने भरपूर मदद की। जिसके बाद अभिषेक ने साइकिल बनाने के लिए उपयोग में आने वाले उपकरणों की जानकारी लेकर बाजार से उन सामानों को खरीदा। इसे तैयार करने में करीब 4 हजार की लागत आयी। जिसमें सोलर पैनल, बैटरी, गियर समेत अन्य चीजें शामिल है। सोलर से चार्ज होकर बैटरी मोटर को करंट देती है और मोटर से बाइक के पहिये घूमते है।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने दिया प्रोत्साहन रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में आयोजित प्रदर्शनी में अभिषेक द्वारा निर्मित सोलर पैनल साइकिल को भी रखा गया जिसे मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बहुत पसंद किया और अभिषेक को उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

सूर्य की रोशनी में दिन भर करें सैर साइकिल में एक सोलर पैनल, मोटर एवं स्विच कंट्रोलर की मदद से साइकिल को बनाया है। इसके अलावा कबाड़ से कुछ सामान लाकर साइकिल को एसेंबल किया है। जिसमे उनके सहपाठी शिवम त्रिपाठी, प्रज्ञा मिश्रा ओजस पांडे ने सहयोग किया। कुछ समय की कड़ी मेहनत के बाद साइकिल बनकर तैयार हो गई।

कलेक्टर ने गैस गोडाउन/गैस रिफिलिंग चैकिंग अभियान के तहत अधिकारियों को सौंपे कार्य-दायित्व

बुरहानपुर *बुरहानपुर-कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सुश्री भव्या मित्तल ने जिले में गैस गोडाउन/गैस रिफिलिंग चैकिंग अभियान के तहत तहसीलदारों एवं नायब तहसीलदारों की ड्यूटी लगाई है। उन्होंने निर्देशित किया है कि, अपने-अपने क्षेत्र में खाद्य निरीक्षकों के साथ मिलकर गैस गोडाउन/गैस रिफिलिंग सेंटरों की चैकिंग करें। कलेक्टर ने तहसील नगर/ग्रामीण बुरहानपुर के तहत प्रभारी तहसीलदार नगर बुरहानपुर श्री रामलाल पगारे, शाहपुर/फोफनारकला के तहत तहसीलदार वृत्त श्री जितेन्द्र अलावा तथा निम्बोला एवं दर्यापुरकला अंतर्गत नायब तहसीलदार श्री उदयसिंह मण्डलोई को कार्य दायित्व सौंपा है। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सुश्री मित्तल ने गैस एजेंसियों की जांच करने के उद्देश्य से कृष्णा दिव्यहंस एचपी गैस ग्रामीण धुलकोट, जैन इण्डेन बुरहानपुर, दवाटिया इण्डेन ग्रामीण वितरक दवाटिया, नेपानगर कॉपरेटिव सोसायटी लिमिटेड नेपानगर हेतु खाद्य निरीक्षक श्री प्रियकांत चौहान को कार्य दायित्व सौंपा है। वहीं प्रखर इण्डेन ग्रामीण वितरक हैदरपुर, डोईफोडिया इण्डेन ग्रामीण वितरक डोईफोडिया, देडतलाई इण्डेन ग्रामीण वितरक देडतलाई और श्री समृद्धि भारत गैस शेखापुर का खाद्य निरीक्षक श्री भुपेन्द्र चौपड़ा निरीक्षण करेंगे। इसी श्रृंखला में उज्वल गैस एजेंसी बुरहानपुर, ऋषभ गैस सर्विस बुरहानपुर, बुरहानपुर गैस सप्लाय कंपनी बुरहानपुर, प्रभात गैस एजेंसी बुरहानपुर के चेकिंग करने की जिम्मेदारी खाद्य निरीक्षक श्री रोहित सिंह को दी गई। बिरोदा इण्डेन ग्रामीण वितरक बिरोदा, पवार भारत गैस ईच्छापुर, सत्यम गैस एजेंसी शाहपुर, गैस पंप बुरहानपुर के लिए जिला खाद्य अधिकारी श्रीमति अर्चना नागपुरे को कार्य दायित्व सौंपा गया हैं। कलेक्टर ने निर्देश दिये है कि सुरक्षा संबंधित समस्त बिन्दुओं की जांच कर प्रतिवेदन देना सुनिश्चित करें।*

सिंगल कॉलम

सियागंज के व्यापारी ने मजदूर का अपहरण कर रातभर पीटा, छह लोगों पर केस दर्ज

व्यापारी ने डंडे के बल पर मजदूर से चोरी कबूलाई और वीडियो बना लिया। पुलिस में शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी।

पीड़ित पहले आरोपित व्यापारी की दुकान पर ही काम करता था।

आरोपितों ने मसाले की 15 पेटी चुराने का आरोप लगाया।

परिवार वालों ने चोट के निशान देख थाने में जाकर शिकायत की।

इंदौर। सियागंज के व्यापारी ने मजदूर का अपहरण कर लिया। उसने उसे बंधक बनाकर रातभर पीटा। डंडे के बल पर चोरी कबूलाई और वीडियो बना लिया। व्यापारी के चंगुल से छूटने के बाद मजदूर पत्नी के साथ थाने पहुंचा और रिपोर्ट दर्ज कराया। पुलिस ने व्यापारी सहित छह लोगों पर अपहरण, मारपीट और बंधक बनाने की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया है। कोतवाली थाना प्रभारी देवेंद्र सिंह के मुताबिक, राजपाल यादव निवासी भागीरथपुरा की शिकायत पर युवराज राजानी, उसके पिता शंकर राजानी निवासी अर्सना वैन्यू पागनीसपागा, इंद्रपाल उर्फ इंदल राजपूत निवासी बिचौली मर्दाना, सुमित निवासी सिंधी कालोनी, देवेंद्र निवासी शंकरबाग और राहुल निवासी लोहा मंडी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। गाड़ी खाली कराने के बहाने से गोदाम पर ले गए आरोपित युवराज उर्फ बाबू सेठ राजानी की सियागंज में वाहे गुरु के नाम से थोक की दुकान है। राजपाल पहले उसकी दुकान पर काम करता था। उसका आरोप है कि 27 दिसंबर को इंदल राजपूत गाड़ी खाली कराने के बहाने उसे पालदा स्थित बाबू सेठ के गोदाम पर ले गया। वहां बाबू सेठ ने अन्य आरोपितों की मदद से बंधक बना लिया। आरोपितों ने बेल्ट और डंडे से पिटाई की और मसाले की 15 पेटी चुराने का आरोप लगाया। रात दो बजे तक उसकी बेरहमी से पिटाई की और उससे जबरन चोरी कबूल करवाई। बाबू सेठ ने इसका वीडियो भी बना लिया।

रिपोर्ट करने पर दी जान से मारने की धमकी बाबू सेठ उसे घर ले गया और पिता शंकर को भी यह बात बताई। शंकर और बाबू ने राजपाल के कपड़े बदलवाए। बाद में उसके भाई रामनरेश और कृष्णपाल को बुलाकर उनके सुपुर्द कर दिया। आरोप है कि उन्हें रिपोर्ट करने पर जान से मारने की धमकी दी। राजपाल के शरीर की चोट देख स्वजन थाने पहुंचे और शुक्रवार को सभी आरोपितों के खिलाफ एफआइआर दर्ज करा दी। थाना प्रभारी के मुताबिक, एक आरोपित इंदल को हिरासत में ले लिया है।

चांदी की परत चढ़ाकर दुबई से सोने की तस्करी, इंदौर एयरपोर्ट पर पकड़ा एक किलो सात सौ ग्राम सोना

इंदौर एयरपोर्ट पर इंदौर कस्टम कमिश्नरेट की एयर इंटेलीजेंस यूनिट ने दिल्ली, जोधपुर और नागपुर के यात्री को पकड़ा।

इंदौर। देवी अहिल्याबाई होलकर हवाई अड्डे पर सोना तस्करी का फिर एक मामला पकड़ा गया है। इंदौर कस्टम कमिश्नरेट की एयर इंटेलीजेंस यूनिट ने ताजा मामले में तीन यात्रियों से सोना बरामद किया। अधिकारियों की आंखों में धूल झोंकने के लिए यात्री चांदी के रंग में रंगकर सोना लाए थे। दुबई से लाए गए इस सोने की तस्करी करने वाले यात्री दिल्ली, जोधपुर और नागपुर के रहने वाले हैं। एयर इंटेलीजेंस यूनिट के अनुसार, गुरुवार शाम दुबई से इंदौर आई एयर इंडिया की उड़ान संख्या आइएक्स-258 से उतरे तीन यात्रियों को शक के आधार पर पकड़ा। दरअसल, तीनों यात्रियों के पास औपचारिक तौर पर न कोई नौकरी थी, न नियमित आय का स्रोत। इसके बाद भी उनकी दुबई यात्रा पर शक हुआ। शक के आधार पर यात्रियों से पूछताछ शुरू करते हुए जांच की। इस दौरान एक्सरे में एक यात्री के शरीर के भीतर कुछ छुपाने की जानकारी मिली। ऐसे छुपा कर लाए थे सोना एक यात्री ने सोने को पेस्ट में तब्दील कर कैप्सूल में डालकर गुप्तांग में छुपाया था। इस यात्री के पास से सोने का ब्रेसलेट और अंगूठी भी मिली। ब्रेसलेट और अंगूठी पर चांदी (सिल्वर) की प्लेटिंग की गई थी। दूसरे यात्री के पास रोडियम कोटिंग किया सोने का कड़ा और चेन बरामद हुई। छुपाने के लिए इस कड़े का रंग बदल दिया गया था। तीसरे यात्री के बेल्ट में भी सोने का बक्कल लगा था। वह भी सोने का कड़ा और चेन पहने हुए था, लेकिन रोडियम की कोटिंग कर उसका रंग चांदी जैसा कर दिया था। सोना जब्त कर पूछताछ की तीनों यात्रियों से कुल एक किलो सात सौ ग्राम सोना बरामद किया गया। इसे कस्टम ने जब्त कर यात्रियों से पूछताछ शुरू की है। यात्रियों पर शक है कि वे सोना तस्करी करने वाले गिरोह के लिए कोरियर का काम करते हैं।

रूस ने यूक्रेन पर सबसे बड़े हमले में 122 मिसाइलें दागीं, 24 लोगों की

कीव: यूक्रेन के अधिकारियों ने शुक्रवार को कहा कि रूस ने सबसे भीषण हमले में यूक्रेनी ठिकानों पर 122 मिसाइल दागीं और 36 ड्रोन से बमबारी की जिसमें कम से कम 24 लोगों की मौत हो गई। वायुसेना के एक अधिकारी ने कहा कि यह 22 महीने से जारी युद्ध में सबसे बड़ा हवाई हमला है। यूक्रेनी वायुसेना ने रातभर में ज्यादातर मिसाइल और शाहेद ड्रोन को मार गिराया यूक्रेन के सेना प्रमुख वलेरी ज़लुज़नी ने कहा कि यूक्रेनी वायुसेना ने रातभर में ज्यादातर मिसाइल और शाहेद ड्रोन को मार गिराया। वायुसेना के कमांडर मायकोला ओलेशचुक ने अपने आधिकारिक टेलीग्राम चैनल पर लिखा, ''यह फरवरी 2022 में रूस द्वारा पूर्ण स्तर का युद्ध शुरू किए जाने के बाद से सबसे बड़ा हवाई हमला है। अधिकारियों ने कहा कि बृहस्पतिवार से शुरू हुए इस हमले में एक प्रसूति अस्पताल, अपार्टमेंट ब्लॉक और कई स्कूल नष्ट हो गए। उन्होंने कहा कि लगभग 18 घंटे तक जारी रहे हमले में कम से कम 24 लोगों की मौत हो गई और अनेक लोग मलबे में दब गए तथा 130 अन्य घायल हुए हैं। यूक्रेनी वायुसेना के अनुसार, पिछला सबसे बड़ा हमला नवंबर 2022 में हुआ था, जब रूस ने यूक्रेन पर 96 मिसाइल दागी थीं। इस वर्ष पहला सबसे बड़ा हमला 9 मार्च को हुआ था इस वर्ष पहला सबसे बड़ा हमला नौ मार्च को हुआ था, जब रूस ने 81 मिसाइल दागीं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि रूसी सेना ने बैलिस्टिक और क्रूज़ मिसाइल सहित विभिन्न प्रकार के हथियारों का इस्तेमाल किया। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स% पर एक पोस्ट में कहा, ''आज, रूस ने अपने शस्त्रागार में मौजूद लगभग हर प्रकार के अस्त्रों का इस्तेमाल किया। यूक्रेनी वायुसेना के प्रवक्ता यूरी इहनाट ने कहा कि रूस ने पूरे यूक्रेन में विभिन्न लक्ष्यों पर हमले के लिए स्पष्ट रूप से अपने पास मौजूद सभी चीजों का इस्तेमाल किया। बृहस्पतिवार से शुरू हुए हमले लगभग 18 घंटे तक जारी रहे अधिकारियों के अनुसार, बृहस्पतिवार से शुरू हुए हमले लगभग 18 घंटे तक जारी रहे, जिनमें राजधानी कीव और पूर्वी एवं पश्चिमी यूक्रेन के क्षेत्रों सहित छह शहरों को निशाना बनाया गया। इस बीच, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने कहा कि इस बड़े हमले से दुनिया को यूक्रेन के समर्थन में आगे की कार्रवाई के लिए एकजुट होना चाहिए। यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा ने 'एक्स पर लिखा, ''आज लाखों यूक्रेनवासी भीषण विस्फोटों की आवाज़ सुनकर जाग गए। उन्होंने कहा, ''काश, यूक्रेन में हुए विस्फोटों की आवाज़ पूरी दुनिया में सुनी जा सके। सभी प्रमुख राजधानियों, मुख्यालयों और संसदों में, जो वर्तमान में यूक्रेन के लिए और अधिक समर्थन पर बहस कर रहे हैं।

नए साल की पूर्व संध्या पर होगी कड़ी सुरक्षा

90 हजार से अधिक पुलिसकर्मी होंगे तैनात

इंटरनेशनल डेस्क

नए साल की पूर्व संध्या पर फ्रांस में कड़ी सुरक्षा होगी और करीब 90,000 पुलिसकर्मियों को तैनात किया जाएगा। फ्रांस की घरेलू खुफिया एजेंसी के प्रमुख सेलीन बर्थन ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

फ्रांस के गृह मंत्री गेराल्ड डर्मानिन के मुताबिक राजधानी पेरिस में करीब छह हजार पुलिसकर्मियों को तैनात किया जाएगा जहां शॉन्ज-एलिसीज पर समारोह में 15 लाख से अधिक लोगों के शामिल होने की उम्मीद है।

डर्मानिन ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इजराइल और फलस्तीन में हो रही घटनाओं के मद्देनजर आतंकवादी हमले का बहुत अधिक खतरा है। फ्रांस के गृह मंत्री ने कहा कि पुलिस पहली बार सुरक्षा कार्यों के लिए ड्रोन का उपयोग कर सकेगी तथा हजारों अग्निशामकों और पांच हजार सैनिकों को भी तैनात किया जाएगा।

गौरतलब है कि पेरिस 2024 के ओलंपिक खेलों की मेजबानी भी करेगा।

दिल्ली में शीत लहर की चेतावनी, जानें अगले दो दिन कैसा रहेगा मौसम का हाल

नई दिल्ली:

मौसम विभाग ने शुक्रवार को शीत लहर की चेतावनी जारी करते हुए कहा कि अगले दो दिन तक दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में घना से बहुत घना कोहरा रहने का अनुमान है। शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी का अधिकतम तापमान 19.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम के औसत तापमान से एक डिग्री कम है। घने कोहरे के कारण शहर में परिवहन सेवाएं प्रभावित हुईं। दिल्ली आने वाली 11 ट्रेनें कोहरे के कारण देरी से चलीं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा कि सुबह इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआईए) पर कोहरे की स्थिति में शुक्रवार को सुधार हुआ तथा घने कोहरे में सबसे कम दृश्यता 150 मीटर रही। मौसम विभाग ने बताया कि दिल्ली में न्यूनतम तापमान 10.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम के औसत तापमान से चार डिग्री सेल्सियस अधिक है। आईएमडी ने कहा कि 30 और 31 दिसंबर को दिल्ली के कुछ कई हिस्सों में शीत लहर की स्थिति होने की आशंका है। आईएमडी ने कहा कि शहर में सुबह साढ़े आठ बजे सापेक्षिक आर्द्रता 95 प्रतिशत दर्ज की गई। पिछले 24 घंटे का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) शाम चार बजे 382 दर्ज किया गया जो बहुत खराब श्रेणी में आता है। शनिवार को अधिकतम और न्यूनतम तापमान के क्रमशः 19 और 10 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। एक्यूआई शून्य से 50 के बीच ''अच्छा, 51 से 100 के बीच ''संतोषजनक, 101 से 200 के बीच ''मध्यम, 201 से 300 के बीच ''खराब, 301 से 400 के बीच ''बेहद खराब और 401 से 500 के बीच ''गंभीर माना जाता है।

कनाडा के कई मंदिरों में चोरी करने के आरोप में भारतीय-कनाडाई व्यक्ति गिरफ्तार

इंटरनेशनल डेस्क

कनाडा के डरहम क्षेत्र और ग्रेटर टोरंटो क्षेत्र स्थित हिंदू मंदिरों में चोरी करने के आरोप में 41 वर्षीय एक भारतीय-कनाडाई व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। डरहम क्षेत्रीय पुलिस ने बृहस्पतिवार को एक प्रेस रिलीज में कहा कि ये घृणा अपराध के मामले प्रतीत नहीं होते। पुलिस ने आरोपी की पहचान ब्रैम्पटन शहर निवासी जगदीश पंढेर के रूप में की है। पुलिस ने आठ अक्टूबर को पिकरिंग में क्रोस्रो बुलेवार्ड और बेली स्ट्रीट के क्षेत्र में स्थित एक हिंदू मंदिर में किसी के घुसने की जानकारी मिलने के बाद कार्रवाई की। सुरक्षा निगरानी के लिए लगाए गए कैमरों की फुटेज में पंढेर को मंदिर में चोरी छुपे घुसकर दान पेटियों से नकदी निकालते देखा गया। प्रेस रिलीज में यह भी बताया गया कि पुलिस के पहुंचने से पहले वह वहां से भाग गया। उसे उसी सुबह बाद में कई अन्य फुटेज में पिकरिंग और अजाक्स के और भी हिंदू मंदिरों में घुसते देखा गया। पुलिस ने कहा कि आरोपी साल भर में कई हिंदू मंदिरों में चोरी छुपे घुसा। इसमें बताया कि उसने डरहम क्षेत्र और ग्रेटर टोरंटो एरिया के आसपास के मंदिरों में भी ऐसा ही किया।

दुनिया को चौंकाने वाली 20 घटनाएं, इनमें से कई उपलब्धियां

यूरोप में पेट्रोल-डीजल वाहनों पर प्रतिबंध...2035 से होगा लागूयूरोपीय संसद ने पेट्रोल और डीजल के वाहनों पर प्रतिबंध की घोषणा की। यह प्रतिबंध 12 वर्ष बाद यानी साल 2035 से प्रभावी होगा। जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों और इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहित करने के लिए यह महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। जर्मनी का आखिरी परमाणु ऊर्जा संयंत्र बंद

जर्मनी ने करीब 60 साल बाद अपना आखिरी परमाणु ऊर्जा संयंत्र बंद कर दिया। वर्ष 2011 में जापान में भूकंप के बाद उठी विनाशकारी सुनामी लहरों की चपेट में आने से फुकुशिमा परमाणु ऊर्जा संयंत्र को भारी नुकसान हुआ था। संयंत्र से विकिरण रिसाव के चलते आस-पास के इलाके को खाली करवाना पड़ा था। इस हादसे को देखते हुए जर्मनी ने अपने परमाणु ऊर्जा संयंत्र बंद करने की घोषणा की थी। सभी 19 संयंत्र बंद करके उसने बाकी देशों को भी ऐसा ही करने के लिए प्रेरित किया। नाटो की रूस से लगी सीमा हुई दोगुनी रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच फिनलैंड नाटो का 31वां सदस्य बना। चार अप्रैल को इसकी घोषणा होने के साथ ही नाटो की रूस के साथ लगती सीमा की लंबाई दोगुनी हो गई। फिनलैंड की 1,340 किमी लंबी पूर्वी सीमा रूस से लगती है। यूक्रेन युद्ध के बीच इसे रूस के लिए बड़ा झटका माना गया, क्योंकि उसने फिनलैंड का उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) में शामिल होना अपने हितों के खिलाफ बताया। नाटो एक सैन्य संगठन है। इसके सदस्य देशों पर कोई हमला करे, तो बाकी सदस्य देश भी हमले का मिलकर जवाब देते हैं। सोचा और चल पड़ा लकवा पीड़ित लकवे के असर से चलने-फिरने में असमर्थ व्यक्ति को दिमाग और रीढ़ में इंप्लांट लगाकर उसे फिर से चलने की क्षमता दी गई। साइंस पत्रिका में प्रकाशित शोध में बताया गया कि इन इंप्लांट को आर्टिफिशिएल इंटेलिजेंस (एआई) के जरिये दिमाग के इलेक्ट्रॉनिक सिग्नल पढ़ने योग्य बनाया गया। वे दिमाग में आए विचार के अनुसार प्रतिक्रिया कर सकते हैं और वे व्यक्ति को चलने में मदद करते हैं। सिंथेटिक सृष्टि...बिना स्पर्म का मानव भ्रूण ब्रिटेन में वैज्ञानिकों ने स्टेम सेल की मदद से मानव का सिंथेटिक भ्रूण तैयार करने का दावा किया। बताया कि इसके लिए स्पर्म या अंडों की जरूरत नहीं पड़ी। यह सिंथेटिक भ्रूण मानव के प्राकृतिक भ्रूण के शुरुआती रूप से काफी मिलता-जुलता था। इसके जरिये अनुवांशिक कमियों को दूर करने में मदद मिलने का दावा भी किया गया। हालांकि ऐसे प्रयोग पर नैतिक और कानूनी सवाल भी उठे। इसे प्रयोगशाला में मानव बनाने पर रोक के कानून के खिलाफ करार दिया गया। 1,320 करोड़ साल पुराना ब्लैक होल मिला

नासा की चंद्रा एक्स-रे वेधशाला और जेम्स वेब अंतरिक्ष दूरबीन ने हमारे ब्रह्मांड में अब तक ज्ञात सबसे पुराने ब्लैक होल की खोज की। यह जीएन-जेड11 नामक गैलेक्सी में है। इसे 1,320 करोड़ साल पुराना माना गया। यानी यह बिग बैंग ब्रह्मांड की शुरुआत के 44 करोड़ साल बाद अस्तित्व में आ गया था। अनुमान है कि इसका द्रव्यमान हमारे सूर्य जैसे 16 लाख सूर्य जितना है। जमीन के भीतर से निकाली चट्टान मध्य अंध महासागर में टेक्टॉनिक प्लेटों में हलचल हुई तो मोहो नामक क्षेत्र में पृथ्वी की मेंटल परत कुछ ऊपर खिसक आई। मोहो क्षेत्र आमतौर पर धरती से 35 किमी और समुद्र तल से 7 किमी गहराई पर मिलता है। मोहो ऐसा संक्रमण क्षेत्र है, जहां पर दो परतों की विशेषताएं एकसाथ पाई जाती हैं। वैज्ञानिकों ने इस मौके का फायदा उठाकर खोदाई-जलपोत की मदद से मेंटल परत से कुछ चट्टानें हासिल कीं। इससे समझने में मदद मिलेगी कि पृथ्वी किस तरह से बनी है और भविष्य में धरती के नीचे से कौन से खतरे पैदा हो सकते हैं? सबसे गर्म रहे 12 महीने 1.30 अधिक रहा तापमान नवंबर 2022 से अक्तूबर 2023 के बीच के 12 महीने इतिहास के सबसे गर्म महीने करार दिए गए। इस दौरान तापमान 1.3 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज हुआ। वहीं, इस साल नवंबर में सतह के पास की हवा का औसत वैश्विक तापमान 14.2 डिग्री रहा, जो औद्योगिक काल (1850-1900) की

तुलना में करीब 1.75 डिग्री अधिक था। मीथेन से रॉकेट को पहुंचाया अंतरिक्ष में चीनी प्राइवेट कंपनी लैंडस्केप ने पहली बार मीथेन का उपयोग कर रॉकेट जूक-2 को अंतरिक्ष में पहुंचाया। एक ग्रीन हाउस गैस को ईंधन के रूप में उपयोग करने के लिए इस तरीके की दुनियाभर में सराहना हुई। इस कदम ने अगली पीढ़ी के लॉन्च व्हीकल्स को अंतरिक्ष में भेजने में अमेरिकी प्रतिद्वंद्वी स्पेसएक्स को पीछे छोड़ दिया है। चूहों की त्वचा की कोशिकाओं से जन्मा चूहा जापान के ओसाका विश्वविद्यालय में वैज्ञानिकों ने दो नर चूहों की कोशिकाओं से जीवित चूहे को जन्म देने में सफलता पाई। नेचर पत्रिका में इसे लेकर लिखा गया कि चूहों की पूंछ से ली गई त्वचा की कोशिकाओं से अंडे तैयार किए गए। इन्हें मादा चूहे में इंप्लांट किया गया और जीवित चूहे तैयार हुए। इसका फायदा तेजी से खत्म हो रहे जीवों के संरक्षण में मिलेगा। एआई ने पढ़ा प्राचीन रोमन पत्र का लेख कंप्यूटर साइंस के विद्यार्थियों के लिए बने एआई मॉडल ने करीब दो हजार साल पुराने रोमन पत्र के लेख को पढ़ने में सफलता पाई। यह पत्र 79 ईस्वी में माउंट विसूवियस के ज्वालामुखी विस्फोट की राख में दफन होकर संरक्षित रह गया था। ब्राजील के संविधान का अपनी भाषा में अनुवाद ब्राजील ने अपने संविधान का अपनी भाषा नीनगातू में अनुवाद किया। यह अमेजन क्षेत्र में सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है। जुलाई में इस भाषा में संविधान का विमोचन हुआ। इसे भाषा और देश की संस्कृति के संरक्षण के लिए अहम कदम माना जा रहा है। जापान की 10 प्रतिशत आबादी 80 पार उगते सूर्य का देश जापान अब बूढ़ा होता जा रहा है। 12.5 करोड़ आबादी वाले जापान में दुनिया के सबसे ज्यादा बुजुर्ग रहते हैं। इस साल जून में जापान की कुल आबादी का 10 प्रतिशत 80 वर्ष से अधिक उम्र का हो गया। साल 1899 के मुकाबले 2022 में सबसे कम जन्म दर होने का भी खुलासा हुआ। नई गर्भनिरोधक गोलियों को अनुमति अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने बिना डॉक्टरी सिफारिश के ली जाने वाली गर्भनिरोधक गोलियों ओपिल को प्रमाणित कर दिया। इन्हें साल 2024 से आम स्टोर्स में उपलब्ध कराया जाएगा। इसके साथ ही गर्भावस्था के बाद होने वाले अवसाद से महिलाओं को उबारने के लिए नई जुर्जुवे (जुरानोलोन) दवा भी जारी की गई। बादलों में पहुंच गया प्लास्टिक जापान में वासेदा विश्वविद्यालय के अध्ययनकर्ताओं ने दावा किया कि बादलों में माइक्रोप्लास्टिक पहुंच चुका है। इसका असर पृथ्वी की जलवायु पर भी हो सकता है। यह माइक्रोप्लास्टिक जापान के लोकप्रिय माउंट फूजी पर मौजूद बादलों में पाया गया। अनुमान हैं समुद्र में फैले प्लास्टिक से यह बादलों में आया। इसने दुनियाभर की चिंता बढ़ा दी है। हर महासागरीय बेसिन में तूफान मौसम के दर्ज इतिहास में पहली बार हर महासागरीय बेसिन में श्रेणी 5 के तूफान आए। इस श्रेणी के तूफान में हवा की रफ्तार कम से कम 252 किमी प्रति घंटा होती है। महासागरों के सातों बेसिन में उनका दर्ज होना पृथ्वी के बढ़ते तापमान का सबसे बड़ा दुष्प्रभाव माना गया। आने वाले वर्षों में इनकी आवृत्ति बढ़ने का भी दावा किया गया। युआन का उपयोग डॉलर से ज्यादा ब्राजील और चीन ने आपसी कारोबार में डॉलर की जगह अपनी-अपनी मुद्राओं का उपयोग करने का समझौता किया। विभिन्न देशों में आपसी अंतरराष्ट्रीय कारोबार में भुगतान के लिए अमेरिकी डॉलर सबसे लोकप्रिय माध्यम रहा है, पर मार्च 2023 में पहली बार चीनी मुद्रा युआन ने इस मामले में डॉलर को पीछे छोड़ दिया। इसे चीन के अंतरराष्ट्रीय कारोबार में बढ़ते प्रभुत्व का अहम संकेत माना जा रहा है। अंटार्कटिका में बर्ड फ्लू अस्तित्व पर संकट...अंटार्कटिका में रहने वाले पक्षियों और सील की आबादी में बर्ड फ्लू वायरस मिला। अक्तूबर में दर्ज हुई इसकी मौजूदगी को बेहद खतरनाक और घातक माना जा रहा है। इसकी वजह से कई प्रजातियों के अस्तित्व पर संकट आ सकता है। वेटिकन में महिलाओं को मिला मताधिकार वेटिकन में 300 बिशप की सभा में ईसाई धर्म ने पहली बार महिलाओं को शामिल किया। उन्हें साइनॉड (पादरियों की धर्म सभा) में वोट देने का अधिकार भी मिला। यह कैथोलिक महिलाएं नन हैं या धर्म की शिक्षा में अपारंगत, लेकिन सेवा कार्य से जुड़ी हैं। सभा में महिलाओं को चर्च में ज्यादा अहम भूमिकाएं देने पर भी विमर्श हुआ। वर्जिन गैलेक्टिक की पहली अंतरिक्ष पर्यटन उड़ान अगस्त को अंतरिक्ष पर्यटन के लिए वर्जिन गैलेक्टिक ने पहली बार तीन लोगों को लेकर उड़ान भरी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569